

Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0°C
न्यूनतम तापमान: 21.0°C
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

संजीवनी टुडे

संजीवनी टुडे के साथ
जम्मू-कश्मीर, वैधानिक वर्धनांग एवं
निर्भूत बर्बाद संदेश
मात्र 1100/-
साइज 8X9 cm
संजीवनी टुडे
संजीवनी टुडे का प्रकाशन
संजीवनी टुडे का प्रकाशन
संजीवनी टुडे का प्रकाशन
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

अब होगी सुविधाओं की बात
संजीवनी टुडे के साथ
जम्मू-कश्मीर, वैधानिक वर्धनांग एवं
निर्भूत बर्बाद संदेश
मात्र 1100/-
साइज 8X9 cm
संजीवनी टुडे
संजीवनी टुडे का प्रकाशन
संजीवनी टुडे का प्रकाशन
संजीवनी टुडे का प्रकाशन
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

वर्ष: 11 अंक: 103

जयपुर, गुरुवार, 19 सितम्बर 2024

पृष्ठ: 8 मूल्य: 1.50

वन नेशन वन इलेक्शन प्रस्ताव कैबिनेट में मंजूर, अगले 100 दिन में निकाय चुनाव

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव, पहले फ्रेज में 58.85% वोटिंग

नवंबर-दिसंबर में बिल आएगा, विधानसभा-लोकसभा चुनाव साथ होंगे

किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 77.23% मतदान, 25 सितंबर को दूसरा फ्रेज, 26 सीटों पर वोट डाले जाएंगे

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। चुनाव आयोग लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकाय चुनावों के लिए राज्य चुनाव अधिकारियों के परामर्श से सिंगल वोटर लिस्ट और वोटर आई कार्ड तैयार करेगा। देश में लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव (वन नेशन वन इलेक्शन) करवाने के प्रस्ताव को बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। बिल शीतकालीन सत्र यानी नवंबर-दिसंबर में संसद में पेश किया जाएगा। कैबिनेट मीटिंग के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 'पहले फ्रेज में विधानसभा और लोकसभा चुनाव साथ होंगे। इसके बाद 100 दिन के भीतर दूसरे फ्रेज में निकाय चुनाव साथ कराए जाएं। 17 सितंबर को गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि सरकार इसी कार्यकाल में 'वन नेशन वन इलेक्शन' लागू करेगी। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री ने कहा था कि बार-बार चुनाव देश की प्रगति में बाधा पदा कर रहे हैं। वन नेशन वन इलेक्शन पर विचार के लिए बनाई गई पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी ने 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। रिपोर्ट 18 हजार 626 पन्नों की है। फेब्रु 2 सितंबर 2023 को बनाया गया था। यह रिपोर्ट स्टेकहोल्डर्स-एक्सपर्ट्स से चर्चा के बाद 191 दिन की रिसर्च का नतीजा है। कमेटी ने सभी विधानसभाओं का कार्यकाल 2029 तक करने का सुझाव दिया है।



बिल को कानून बनाने में कोई अड़चन आएगी
कोविंद कमेटी ने 18 संवैधानिक बदलावों का सुझाव दिया है, इनमें से ज्यादातर में राज्यों की विधानसभाओं के सहमति की जरूरत नहीं है। कुछ संवैधानिक बदलावों के लिए बिलों को संसद में पास करना जरूरी होगा। सिंगल इलेक्टोरल रोल और सिंगल वोटर आईडी कार्ड के लिए आधे से ज्यादा राज्यों की मंजूरी जरूरी होगी। संभव है कि कोविंद कमेटी की रिपोर्ट पर लॉ कमीशन भी अपनी रिपोर्ट पेश करे। सूत्रों का कहना है कि लॉ कमीशन 2029 में लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकायों और पंचायत चुनाव एकसाथ कराने का सुझाव दे। इसके अलावा लॉ कमीशन गठबंधन सरकार और हंग असेंबली जैसी स्थिति आने पर नियम की मांग करे। यह तस्वीर मार्च 2024 की है। रिपोर्ट में 2029 में एकसाथ चुनाव का टारगेट रखा गया है। उसके आधार पर विधानसभाओं और नगरीय निकाय के चुनाव का मॉडल दिया गया है। सभी राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल अगले लोकसभा चुनाव यानी 2029 तक बढ़ाया जाए।

कोविंद कमेटी ने 7 देशों की चुनावी प्रक्रिया पर रिसर्च करके रिपोर्ट तैयार की

वन नेशन वन इलेक्शन पर विपक्ष के नेताओं ने क्या कहा... कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्ग ने 'कांग्रेस पार्टी 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के प्रस्ताव का विरोध करती है। हमारा मानना है लोकतंत्र को जीवित रखने के लिए जब भी जरूरत हो चुनाव होने चाहिए। केरल सीएम पी विजयन ने कहा संघ परिवार भारत की चुनावी राजनीति को राष्ट्रपति प्रणाली की ओर ले जाने का गुप्त प्रयास कर रहा है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का नारा भारतीय संसदीय लोकतंत्र की विविधतापूर्ण प्रकृति को खत्म करने के लिए गढ़ा गया है। अभी ऐसी है वन नेशन-वन इलेक्शन की संभावना एक देश-एक चुनाव लागू करने के लिए कई राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल घटाना। जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव 2023 के आखिर में हुए हैं, उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विधि आयोग के प्रस्ताव पर सभी दल सहमत हुए तो यह 2029 से ही लागू होगा। साथ ही इसके लिए दिसंबर 2026 तक 25 राज्यों में विधानसभा चुनाव कराने होंगे। एक देश, एक चुनाव' की व्यवस्था के तहत देश में लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय का चुनाव एकसाथ कराने वाले प्रस्ताव को केंद्रीय कैबिनेट से आज दो गई मंजूरी का हम समर्थन करते हैं, लेकिन इसका उद्देश्य देश और जनहित में होना जरूरी है।

■ संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले फ्रेज में 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों पर बुधवार (18 अगस्त) को वोटिंग हुई। इस दौरान मतदान का प्रतिशत 58.85 रहा। चुनाव आयोग के मुताबिक, किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 77.23% और पुलवामा में सबसे कम 46.03% वोटिंग हुई। दूसरे नंबर पर डोडा 69.33%, तीसरे नंबर पर रामबन 67.71% रहा। बिजबेहर विधानसभा सीट से पीडीपी की प्रत्याशी इल्लिजा मुफ्ती ने वोट डाला, वे पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी हैं। किश्तवाड़ से बीजेपी की कैडिडेट शगुन परिहार ने भी वोट डाला। शगुन ने आरोप लगाया था कि किश्तवाड़ के बागवान मोहल्ले में बिना पहचान पत्र के वोट डलवाए गए। इसके बाद माहौल गर्म हो गया, जिसके चलते कुछ देर वोटिंग रुकी रही। पहले फ्रेज की वोटिंग को लेकर देश के अलग-अलग राज्यों में रहने वाले 35 हजार से ज्यादा विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने भी वोट डाले। उनके लिए कुल 24 स्पेशल बूथ बनाए गए थे। दिल्ली 4, जम्मू 19 और उधमपुर में 1 बूथ था। 90 सीटों पर 3 फ्रेज में ही वोटिंग जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर फरस्ट फ्रेज में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को तीन फ्रेज में वोटिंग होगी। बहुमत का आंकड़ा 46 है। नतीजे 8 अक्टूबर को



घोषित किए जाएंगे। दरअसल, जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। 2014 चुनाव में छत्र ने सबसे ज्यादा 28 और भाजपा ने 25 सीटें जीती थीं। दोनों पार्टियों ने मिलकर सरकार बनाई थी। 2014 में पहले फ्रेज में 22 सीटें पर वोट डाले थे। 2014 में विधानसभा चुनाव के फर्स्ट फ्रेज में दक्षिण कश्मीर की 22 सीटों पर चुनाव हुए थे। तब 11 सीटों पर महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी को जीत मिली थी। भाजपा और कांग्रेस ने 4-4 सीटें जीती थीं। वहीं फारूक अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्ग्रेस को 2 और सीपीआई (एम) को एक सीट मिली थी। 219 में से 50% यानी 110 कैडिडेट करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है। महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के 21 में से 18 कैडिडेट करोड़पति हैं।

आतिशी 21 सितंबर को शपथ ले सकती हैं

एलजी ने केजरीवाल का इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजा, एक हफ्ते में सरकारी मकान छोड़ेंगे केजरीवाल

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बुधवार को अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मंजूरी के लिए भेज दिया। साथ ही उन्होंने नई मुख्यमंत्री आतिशी के शपथ ग्रहण के लिए 21 सितंबर की तारीख का प्रस्ताव भी राष्ट्रपति को भेजा है। इधर, मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे चुके अरविंद केजरीवाल अपना सरकारी आवास छोड़ेंगे। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने बुधवार को कहा कि हमने सुरक्षा को लेकर उनसे कहा कि सरकारी आवास ना छोड़ें, लेकिन वे नहीं माने। एक दिन पहले 17 सितंबर को आप विधायक दल की मीटिंग में आतिशी को मुख्यमंत्री चुना गया था। इसके बाद केजरीवाल ने शाम को एलजी विनय सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। केजरीवाल पर कई बार हमले हुए, हमें चिंता-आप संजय सिंह ने कहा, 'केजरीवाल अपनी सभी सरकारी सुविधाएं छोड़ने जा रहे हैं। हम लोगों को चिंता है। केजरीवाल पर कई बार हमले हो चुके हैं। जब उनके माता-पिता घर में थे, तब भी उन पर हमला हुआ है। अभी यह तय नहीं हुआ है कि केजरीवाल कहा रहेंगे। उन्होंने कहा है कि वे जनता के बीच रहेंगे, जगह अभी तय नहीं है।' आप की प्रवक्ता पिंका कक्कड़ ने ये वीडियो शेयर कर कहा था कि केजरीवाल के पुराने बंगले की छत 3 बार गिर गई थी,



आतिशी ने एलजी से शपथ ग्रहण की तारीख मांगी
दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने 17 सितंबर की शाम को उपराज्यपाल विनय सक्सेना को सीएम पद से इस्तीफा सौंपा था। उनके साथ आतिशी और 4 मंत्री मौजूद थे। इसके बाद आतिशी ने नई सरकार बनाने के लिए दावा पेश किया। उपराज्यपाल से शपथ ग्रहण की तारीख तय करने की भी मांग की 26-27 सितंबर को विधानसभा सत्र, आतिशी बोलीं- केजरीवाल को एलजी बनाना लक्ष्य इसी दिन सुबह आपकी विधायक दल की बैठक में केजरीवाल ने आतिशी को मुख्यमंत्री बनाए जाने का प्रस्ताव रखा था।

कोलकाता रेप-मर्डर, डॉक्टरों का हड़ताल खत्म करने से इनकार

चीफ सेक्रेटरी ने मीटिंग के लिए फिर बुलाया, ताला पुलिस स्टेशन इंचार्ज सरपेंड

■ संजीवनी टुडे

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल खत्म करने से इनकार कर दिया है। डॉक्टरों ने बुधवार को बंगाल के चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत को ईमेल भेजकर एक और मीटिंग की मांग की। डॉक्टरों का कहना है कि हमारी मांगें अभी आधी पूरी हुई हैं। डॉक्टरों के हेल्थ सेक्रेटरी एनएस निगम को हटाने की मांग पर अड़े हुए हैं। साथ ही अस्पतालों में थेट कल्चर खत्म करने की मांग कर रहे हैं। इस पर पंत ने 30 डॉक्टरों को शाम 6:30 बजे मिलने के लिए बुलाया है। 16 सितंबर को जूनियर डॉक्टर और ममता के बीच मीटिंग हुई थी। इसमें ममता ने डॉक्टरों की 5 में से 3 मांगें मान ली थीं। उन्होंने मंगलवार को पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को पद से हटाया था। उनकी जगह मनोज वर्मा को कमिश्नर बनाया गया। उधर, 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टरों के रेप-मर्डर केस में पश्चिम बंगाल सरकार ने ताला पुलिस स्टेशन के इंचार्ज अभिजित मंडल को सरपेंड कर दिया है। अभिजित को एडवोकेट गिरफ्तार किया था। ममता-डॉक्टरों की मीटिंग के लिए 7 दिन तक टकराव डॉक्टरों और ममता की मीटिंग को लेकर कोलकाता में 7 दिन तक टकराव चला था। 4 कोशिशों नाकाम होने के बाद 16 सितंबर को ममता और डॉक्टरों के डेलिगेशन की सीएम हाउस में बैठक हुई। इस बैठक में ममता ने डॉक्टरों की 5 में से 3 मांगें मानी थीं और कहा था कि काम पर वापस लौटें।



4 और अधिकारियों का ट्रांसफर किये

डॉक्टरों और सीएम की 16 सितंबर की मीटिंग के बाद स्वास्थ्य विभाग के भी 4 और अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया। मेडिकल एजुकेशन डायरेक्टर डॉ. कौस्तुभ नायक को स्वास्थ्य-परिवार कल्याण का डायरेक्टर बनाया गया। स्वास्थ्य सेवाओं के डायरेक्टर डॉ. देवाश्री हलदर को पब्लिक हेल्थ का ओएसडी बनाया गया है। त्रिपुरारी अथर्व को डीईओ का डायरेक्टर चुना गया। इसके अलावा 5 और पुलिस अधिकारियों के पद भी बदले गए। जावेद शमीम एडीजी कानून व्यवस्था, विनीत गोयल एडीजी और आईजी स्पेशल टास्क फोर्स, ज्ञानवंत सिंह एडीजी और आईजी इंटील्लिजेंस ब्यूरो, दीपक सरकार नॉर्थ कलेक्टर, अभिषेक गुप्ता सीओईएफआर सेकंड बटालियन का नाम शामिल है। एडवोकेट गिरफ्तार किया था। ममता-डॉक्टरों की मीटिंग के लिए 7 दिन तक टकराव डॉक्टरों और ममता की मीटिंग को लेकर कोलकाता में 7 दिन तक टकराव चला था। 4 कोशिशों नाकाम होने के बाद 16 सितंबर को ममता और डॉक्टरों के डेलिगेशन की सीएम हाउस में बैठक हुई। इस बैठक में ममता ने डॉक्टरों की 5 में से 3 मांगें मानी थीं और कहा था कि काम पर वापस लौटें।

डोटासरा बोले- घूमने और भाषण का काम कर रही सरकार

जूली ने कहा- 9 महीने में बच्चा हो जाता है, इनका रिव्यू पूरा नहीं हो रहा

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- भजनलाल सरकार भ्रमण (घूमने), भाषण और भ्रमित करने का काम कर रही हैं। हम सालों से 77 मंडलों में जाकर कार्यकर्ताओं के जरिए जनता को इस सरकार का असली चेहरा दिखाने का काम करेंगे। वहीं नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली ने सरकार के कामों को लेकर तंज किया। उन्होंने कहा- सरकार को बने 9 महीने हो गए हैं। 9 महीने में तो बच्चा भी जन्म ले लेता है, लेकिन इनका रिव्यू पूरा नहीं हुआ है। दरअसल, विधानसभा की 7 सीटों पर होने वाले उप चुनाव को लेकर बुधवार को पीसीसी वॉर रूम में बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में डोटासरा और जूली ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार द्वारा नए जिलों के रिव्यू के सवाल पर कहा- यह सरकार हमारे फैसलों का रिव्यू करने के सिवाय कोई काम नहीं कर रही। हमने गरीब बच्चों की अंग्रेजी में पढ़ाई के लिए महामाता गांधी स्कूल खोले, यह उसका रिव्यू कर रहे हैं।

सीएम को नहीं मालूम कितनी भर्तियां हुईं: डोटासरा

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस उप चुनाव में सभी 7 सीटें जीतीं, क्योंकि 9 महीने में सरकार पूरी तरह से फेल साबित हुई है। पार्टी सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया। मुख्यमंत्री के 1 साल में 1 लाख नौकरियां देने के बयान पर डोटासरा ने कहा- सीएम को कोई पत्नी पकड़ा देता है और वो बोल देते हैं। उन्हें खुद नहीं पता कि अब तक कितनी नौकरियां दे दी हैं। डोटासरा ने कहा कि भाजपा यह बताए कि उन्होंने सरकार बनने के बाद कितनी विज्ञापन निकाली। ये तो हमारी आयोजित करवाई गई परीक्षाओं में नियुक्ति देने का काम कर रहे हैं। प्रदेश में उप चुनावों में पार्टी अपने दम पर चुनाव लड़ने और जीतने में सक्षम है। हम सभी सीटों पर चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। गठबंधन का फैसला पार्टी आलाकमान करेगा। हमने अपने कार्यकाल में सबसे ज्यादा कॉलेज खोले, यह उसका रिव्यू कर रहे हैं। हमने 17 नए जिले बनाकर आमजन को राहत पहुंचाने का काम किया। यह उसका भी रिव्यू कर रहे हैं। मैं सरकार से पूछना चाहता हूँ कि आखिर इनका रिव्यू कब पूरा होगा। सरकार को बने 9 महीने हो गए हैं। 9 महीने में तो बच्चा भी जन्म ले लेता है, लेकिन इनका रिव्यू पूरा नहीं हुआ। उन्हें जो करना है करें, फैसला लें। एक बार जिले खत्म करके तो देखें। इससे इनको वोट नहीं मिलने वाले हैं, उल्टा जनता इन्हें सबक सिखा देगी। प्रदेश में झुंझुनू, दौसा, देवली-उनियारा, चौरासी, खींवर की सीट विधायकों के लोकसभा चुनाव जीतने के कारण खाली हुई थी। जबकि सलुंवर सीट बीजेपी विधायक अमृतलाल मीणा और रामगढ़ सीट कांग्रेस विधायक जुबेर खान के निधन के कारण खाली हुई है।

चंद्रयान-4 मिशन को कैबिनेट की मंजूरी

इसमें चंद्रमा से मिट्टी लाई जाएगी, अंतरिक्ष स्टेशन और वीनस मिशन 2028 में लॉन्च होगा

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। कैबिनेट ने चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी दे दी है। इस मिशन का उद्देश्य स्पेसक्राफ्ट को चंद्रमा पर उतारना, सैपल कलेक्ट करना और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना है। कैबिनेट ने वीनस ऑर्बिटर मिशन और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना को भी मंजूरी दे दी। दोनों मिशनों को साल 2028 तक लॉन्च करने का लाना बनाया गया है। 2104 करोड़ रुपए के इस मिशन में चंद्रमा की चट्टानों और मिट्टी को पृथ्वी पर वापस लाया जाएगा। मिशन में दो अलग-अलग रॉकेट का इस्तेमाल होगा। हेवी-लिफ्टर एलवीएम और इसरो का रिलायबल वर्कहॉर्स पीएसएलवी अलगा-अलग पेलोड लेकर जाएंगे। स्टैक 1 में लूनर सैपल कलेक्शन के लिए एसेंडर मांड्यूल और सतह पर लूनर सैपल कलेक्शन के लिए डिसेंडर मांड्यूल शामिल हैं। स्टैक 2 में थ्रस्ट के लिए एक प्रोपल्शन मांड्यूल, सैपल होल्ड के लिए ट्रांसफर मांड्यूल और सैपल को पृथ्वी पर लाने के लिए टी-एंड्री मांड्यूल शामिल हैं। 1,236 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। इसे मार्च 2028 में लॉन्च किया जाना है। वीओएम का प्राइमरी ऑर्बिटर शुक्र की सतह और वायुमंडल के साथ-साथ शुक्र के वायुमंडल पर सूर्य के प्रभाव के बारे में हमारी समझ को बढ़ाना है। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन: कैबिनेट ने गगनयान प्रोग्राम का दायरा बढ़ाकर भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (वीएसएस-1) के पहले मांड्यूल के विकास को भी मंजूरी दे दी है। रिवाइज्ड गगनयान प्रोग्राम में वीएसएस-1 यूनिट सहित आठ मिशन शामिल हैं। इसे दिसंबर 2028 तक पूरा किया जाना है। गगनयान प्रोग्राम की टोटल फंडिंग को 11,170 करोड़ रुपए बढ़ाकर 20,193 करोड़ रुपए कर दिया गया है। 'गगनयान' में 3 दिनों के मिशन के लिए 3 गगनयानों की 400 किमी. ऊपर पृथ्वी की कक्षा में भेजा जाएगा। इसके बाद कू मांड्यूल को सुरक्षित रूप से समुद्र में लैंड कराया जाएगा।

राहुल गांधी के खिलाफ हेट स्पीच, कांग्रेस का प्रदर्शन

रेल राज्य मंत्री समेत 4 नेताओं की पुलिस से शिकायत, अठावले बोले- राहुल का पासपोर्ट रद्द हो

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। राहुल गांधी के खिलाफ हेट स्पीच देने वाले भाजपा और सहयोगी दल के नेताओं के खिलाफ कांग्रेस ने बुधवार को दिल्ली पुलिस से शिकायत की। कांग्रेस नेता अजय माकन ने तुगलक रोड पुलिस स्टेशन में केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवीनंद सिंह बिट्टू समेत 4 नेताओं की शिकायत की। माकन ने कहा- जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, इसलिए कुछ लोग देश की शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस ने दिल्ली, मध्य प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों में भाजपा नेताओं के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। उधर, कांग्रेस के विरोध के बीच राहुल के खिलाफ भाजपा और उसके एक अन्य सहयोगी नेता ने फिर बयान दिया। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि राहुल गांधी विदेश में जाकर देश की प्रतिष्ठा को गिराते हैं, उनका पासपोर्ट रद्द होना चाहिए। वहीं भाजपा सांसद अनिल बोडे ने कहा- राहुल की जीभ काट लेनी चाहिए। भाजपा और सहयोगी दलों के नेताओं द्वारा लगातार राहुल गांधी के लिए बेहद आपत्तिजनक और हिंसक भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है।

मोदी से आग्रह कि नेताओं पर लगाम लगाएं

प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह है कि ऐसे नेताओं पर लगाम लगाएं। दिल्ली में राहुल गांधी के घर के बाहर 11 सितंबर को भाजपा ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान भाजपा नेता तरविंदर सिंह मारवाहा पर राहुल को मारने की धमकी देने का आरोप लगा। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भाजपा नेता खुलेआम देश के नेता प्रतिपक्ष को हत्या की धमकी दे रहा है। ये बेहद गंभीर मामला है। ये भाजपा की नरतत की फेक्ट्री का प्रोडक्ट है। इस पर कार्रवाई होनी चाहिए। चूंकि मोदी अपनी पार्टी के इस नेता की धमकी पर चुप नहीं रह सकते। 'राहुल गांधी बाज आ जा, नहीं तो आने वाले टाइम में तेरा भी वहीं हाल होगा, जो तेरी दादी का हुआ। कांग्रेस ने भाजपा नेता और पूर्व विधायक तरविंदर सिंह मारवाहा का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रवीनंद सिंह बिट्टू ने 15 सितंबर को कांग्रेस लीडर राहुल गांधी को आतंकवादी बताया। उन्होंने कहा कि 'राहुल गांधी हिंदुस्तानी नहीं हैं। उनको भारत से प्यार भी नहीं है। राहुल ने पहले मुसलमानों का इस्तेमाल करने की कोशिश की, लेकिन ऐसा नहीं हुआ तो वे अब सिखों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, 'राहुल गांधी देश के नंबर वन टेरेरिस्ट हैं। उनको पकड़ने वाले को इनाम दिया जाना चाहिए।

खबरें फटाफट

बाइक हादसे में तीन लोग गंभीर घायल



संजीवनी टुडे

राजगढ़ (अलवर)। कस्बे के राजगढ़-अलवर मार्ग पर मूनपुर पुलिस के पास बाइक हादसे में तीन लोग गंभीर घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि अलवर जिले के गंज खेरली निवासी मामराज (42), ओमप्रकाश उर्फ ओमी और गोपाल बाइक पर सवार होकर नारायणी माता से आ रही थे। असंतुलित होकर मूनपुर पुलिस तिराहे के पास बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बाइक सवार तीनों गंभीर घायलों को 108 एम्बुलेंस की मदद से राजगढ़ चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। तीनों गंभीर घायलों को राजगढ़ अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद अलवर रेफर कर दिया।

स्काउट गाइड संघ के कब मास्टर ब्लॉक लीडर बेसिक कोर्स में हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन



संजीवनी टुडे

राजगढ़ (अलवर)। हिन्दुस्तान स्काउट एंड गाइड राजस्थान राज्य जिला मुख्यालय अलवर के तत्वाधान में चल रहे सात दिवसीय कब मास्टर ब्लॉक लीडर बेसिक कोर्स के तीसरे दिन बुधवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वार्ड पार्षद प्रीति शर्मा रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी राजकुमार गुप्ता ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जेवीवीएनएल के एआरओ शुभम खड्गेलवाल तथा कृष्ण अवतार शर्मा रहे। सभी अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया। शिविर प्रभारी अनुराधा सोलंकी ने बताया कि शिविर में विभिन्न बीएसटीसी कॉलेज की 50 बालिकाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। बालिकाओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित सभी बालिकाओं को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रीति शर्मा ने बालिकाओं को अपने लक्ष्य के प्रति जागरूक रहने की बात कही। इस मौके पर शिविर क्वार्टर मास्टर कुलदीप सिंह अवाना, विजय सिंह, जिला प्रभारी सोरब वर्मा उपस्थित रहे।

हनीश रावल ने ग्रहण की भाजपा की सदस्यता



संजीवनी टुडे

पिण्डवाड़ा। नगर के विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल के संचालक हनीश रावल को जिला अध्यक्ष सुरेश कोठारी जिला महामंत्री नरपतिसिंह राणावत जिला उपाध्यक्ष किरण राजपुरोहित नगर अध्यक्ष संतोष गहलोत व सदस्यता अभियान के जिला सह-संयोजक हीरालाल कलबी की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता दिलवाई। जिला सोशल मीडिया सदस्य कल्पेश सोनी ने बताया कि 2 सितंबर से भाजपा का देशव्यापी सदस्यता अभियान का आगाज हुआ है जिसमें कई लोग देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के प्रति समर्पण, विचार एवम कार्य से खुश होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं इसी दौरान नगर के विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल के संचालक हनीश रावल ने भी देश के प्रधानमंत्री मोदीजी की नीतियों से प्रभावित होकर राष्ट्रवादी पार्टी भाजपा में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की थीं जिस पर पिण्डवाड़ा मंडल अध्यक्ष संतोष गहलोत ने भाजपा के जिला व नगर के पदाधिकारियों की उपस्थिति में हनीश रावल को भाजपा पार्टी का दुपट्टा पहनाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाकर भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दी इस मौके पर मण्डल उपाध्यक्ष कमलेश राजगुरु, महामंत्री त्रिलोक प्रजापत, महामंत्री तगाराम परमार, महामंत्री हितेश रावल, वरिष्ठ कार्यकर्ता नरेंद्र मेहता, उपाध्यक महेंद्र सिंह डाबी, मंत्री सुशील प्रजापत, नगर सह संयोजक दिलीप जैन उपस्थित रहे।

जल सेवा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के निमित्त भाजपा के सेवा पखवाड़े का शुभारंभ किया

संजीवनी टुडे

पिण्डवाड़ा। पिण्डवाड़ा नगर में स्थानीय भाजपा मण्डल द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में गणपति विसर्जन शोभायात्रा में शामिल गणेश भक्तों को जल सेवा देकर सेवा पखवाड़े का शुभारंभ किया। नगर भाजपा मण्डल अध्यक्ष संतोष गहलोत ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर नगर में गणपति विसर्जन शोभायात्रा में शामिल भक्तों को जल सेवा करके सेवा पखवाड़े 2 अक्टूबर तक चलेगा जिसमें सेवा से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर उपाध्यक्ष माधुर्य देवासी, मंत्री सुशील प्रजापत, जिला सोशल मीडिया सदस्य कल्पेश सोनी, चिक्रम राजपुरोहित, राकेश सोनी, संतोष राजपुरोहित, कालीलाल प्रजापत, नारायण टॉक, माधुर्य प्रजापत सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विशाल जुलूस के साथ धूमधाम से हुआ गणेश प्रतिमाओं का विर्सजन, विदाई में उमडा जन सैलाब

भक्तों के लिए जगह- जगह विभिन्न सामाजिक संगठनों समाज सेवीयो, भामाशाहो द्वारा जलपान नास्ते शर्बत व पानी इत्यादी की व्यवस्था की गई

पिण्डवाड़ा। पिण्डवाड़ा उपखण्ड क्षेत्र में गणेश चतुर्थी के महापर्व से शुरू हुए दस दिवसीय धार्मिक महोत्सव अनंत चतुदशी को पूरे नगर के सामूहिक विशाल जुलूस, अखाड़ा प्रदर्शन व अन्य कई मनमोहक प्रस्तुतियों के बाद वैदिक विधानानुसार जलारथो में गणपति देवा की मुर्ति विर्सजन कार्यक्रम के साथ हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हो गया। जानकारी के अनुसार समूचे नगर में शिवसेना के तत्वाधान में हर वर्ष की भांति गणपति महोत्सव के समापन अवसर पर श्रीशक्ति माता मंदिर प्रांगण से विशाल शोभायात्रा जुलूस का आगाज किया गया। शिवसेना के सानिध्य में नगर की मुख्य गणेश प्रतिमा जुलूस के साथ आमलौ रोड पर दैनिक नवज्योति मिडिया परिवार एवं नामदेव युवा ग्रुप, स्वर्णकार ग्रुप, श्री, द्वारिका धीरा चौक चंचो समाज, रिको ग्रुप, डायमण्ड ग्रुप, पद्मावती कालोनी, जेजे कॉलोनी, रावल गली एवं नगर के

हर गली मोहल्ले के गणेश मंडल सहित आस-पास कई गांवों से विविध संगठनों एवं धार्मिक संगठन ग्रुपों द्वारा भी शिरकत कर भव्यता प्रदान की। जुलूस की भव्यता का अंदाजा इसी से लगाया जाये की करीब दो किलोमीटर से भी अधिक लम्बे जुलूस में साज सजावट किये सैकड़ों वाहन जिसमें रथ, टेक्टर, जीप गाडीयां भी शामिल थीं जिसमें चार-पांच फिट की सी से अधिक प्रतिमाओं अलावा छोटी-मोटी पाँच सौ से अधिक गणेश प्रतिमाएं शामिल थीं। साथ ही गणेश भक्तों ने भी शोभायात्रा के दौरान खुब गुलाल उड़ाया। तो शिवसेनाको सहित विविध मंडलों द्वारा अखाड़ा प्रदर्शनी के माध्यम से कई हंरत अंगेज कारनामो को अंजाम दिया जा रहा था। कई ढोल पर श्रवालु गणेश दावा की भक्ति में प्रार्थन रतन जैन, संजय गर्ग व पालिका कार्मिक कनिष्ठ अभियन्ता जसपाल सिंह, स्वास्थ्य निरीक्षक अनिरुद्ध सिंह राज पुरोहित, गजेन्द्र सिंह, जमादार कमलेश कुमार, दिनेश कुमार, मुकेश कुमार, मुकेश कण्डार, स्वच्छ भारत मिशन से एम.आई.एस अभियन्ता विक्रम कुमार, छगन, गोविंद आदि उपस्थित रहे।



जयकारे करते श्रवालुओ ने समूचे क्षेत्र के वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मॉ अबुद जी चौक, राजपुर वास, मस्जिद रोड, सुभाष वास, मंगल कलश चौराहा, द्वारकाधीरा मन्दिर, गुलाल उड़ाया। तो शिवसेनाको सहित विविध पांचोवाड़ा, रावल गली, जैन धर्मशाळा, हनुमान मन्दिर चौक होते हुए मुख्य बाजार डा. हेडगेवार चौक, गोगाजी मंदिर चौक होते हुए स्टेशन से अजारी रोड होकर एसाऊ गांव से होकर पंचदेवल से होते हुए विसर्जन स्थल पहुंचे, जहा शिवसेना के तत्वाधान में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए क्रेन की व्यवस्था की गई थी जिसके द्वारा वहां पहुंचे

सभी भक्तों ने आरती कर प्रतिमाओं का विसर्जन किया, इस दौरान निर्धारित रूट से सभी पहुंचे, सुरक्षा के लिए भारी पुलिस प्रशासन रहा तैनात एवं पिण्डवाड़ा नगर सहित आस-पास की छोटी-बड़ी 2 से 3 हजार गणेश प्रतिमाओं का शांति पूर्वक हुआ विसर्जन। इस अवसर पर शिवसेना जिला प्रमुख रमेश रावल ने बताया की जिले व नगर में शिवसेना के नेतृत्व में प्रथम गणेश महोत्सव का आगाज किया था तथा इस वर्ष पिण्डवाड़ा नगर में 34 वां सार्वजनिक गणेश महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। नगर के विविध हिन्दू

संगठनों ने वी गई अपनी सहभागिता से जिले ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के भव्य गणेश जुलूस के रूप में जाना जाने लगा है।

वही दस दिवसीय गणेश महोत्सव के दौरान हर मंडल गुप द्वारा हर दिन अलग-अलग प्रकार से भजन किर्तन, बच्चों एवं महिलाओं के मनोरंजक गेम, प्रतिभावान छात्र पुरस्कार वितरण, भोजन प्रसाद, नाचना-गाना, जादूगर, इत्यादी कई कार्यक्रमो का आयोजन होता है। शिवसेना, घांची समाज के युवा ग्रुप, नवज्योति मिडिया ग्रुप, सहित विविध संगठनों द्वारा विसर्जन कार्यक्रम में सहयोग के लिए नगर के समस्त गणेश मंडलों, भामाशाहो, पुलिस एवं प्रशासन सहित प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया है। शोभायात्रा के मार्ग में जगह जगह श्रवालुओं के लिये पेयजल, शर्बत व्यवस्था की गई थी। तथा दोपहर तीन बजे शुरू हुआ जुलूस करीब चार-पांच घंटे नगर की विविध गलियों से गुजरने के

बाद देर रात्रि तक सिवरा के स्वरूप सागर बांध, पिण्डवाड़ा तालाब, वरली के जुबली बांध, कादम्बरी बांध, एसाऊ नदी, मोरस बांध व सैई बांध सहित अलग अलग जगह पर विधि-विधान के साथ गणेश प्रतिमाएं विसर्जन की गई।

वही शोभायात्रा के दौरान कार्यवाहक उपखण्ड अधिकारी मोहनलाल सियाल, पिण्डवाड़ा वृत्त पुलिस उपअधीक्षक भंवरलाल चौधरी, पुलिस थानाअधिकारी हमीरसिंह भाटी, सब इंस्पेक्टर पन्ना लाल, सब इंस्पेक्टर जगदीश सिंह, हैड कांस्टेबल हरिदास वैष्णव, हैड कांस्टेबल राम सिंह, कांस्टेबल कल्याण सिंह, कांस्टेबल अमर सिंह, कांस्टेबल अभय सिंह, कांस्टेबल लोकेश मीणा, कांस्टेबल जितेंद्र सिंह, कांस्टेबल ऋषिका मीणा सहित आर ए सी एवं होमगार्ड्स व प्रशासन की चाक-चौबंद व्यवस्था कायम रही।

पिण्डवाड़ा पालिका द्वारा संस्कार स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आगाज किया



संजीवनी टुडे

पिण्डवाड़ा। राज्य सरकार से प्राप्त निर्देशों की पालना पालिका अधिशाषी अधिकारी तेजराज भण्डारी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्वच्छता ही सेवा जिसकी थीम स्वभाव स्वच्छता व संस्कार स्वच्छता पखवाड़े का उद्घाटन मंगलवार को पिण्डवाड़ा नगर पालिका में अध्यक्ष सुरेंद्र मेवाड़ा व अधिशाषी अधिकारी तेजराज भंडारी द्वारा दीप प्रज्वलन एवं स्वच्छता शपथ ग्रहण कर आयोजित किया गया। जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में

पालिका अध्यक्ष सुरेंद्र मेवाड़ा एवं अधिशाषी अधिकारी तेजराज भण्डारी द्वारा सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया ए एवं स्वच्छता के लिए श्रमदान किया गया। इस मौके पर पार्षद रतन जैन, संजय गर्ग व पालिका कार्मिक कनिष्ठ अभियन्ता जसपाल सिंह, स्वास्थ्य निरीक्षक अनिरुद्ध सिंह राज पुरोहित, गजेन्द्र सिंह, जमादार कमलेश कुमार, दिनेश कुमार, मुकेश कुमार, मुकेश कण्डार, स्वच्छ भारत मिशन से एम.आई.एस अभियन्ता विक्रम कुमार, छगन, गोविंद आदि उपस्थित रहे।

आज के समय में समाज की उन्नति के लिए महिला सशक्तिकरण अति आवश्यक है: चतुर्वेदी

संजीवनी टुडे

राजगढ़ (अलवर)। कस्बे के राजकीय महाविद्यालय में बुधवार को राजनीतिक विज्ञान विभाग की परिषद के तत्वाधान में महिला सशक्तिकरण एवं राजमाता अहिल्याबाई विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. पी एम मीना ने बताया कि कार्यशाला की अध्यक्षता प्रोफेसर के.एल. मीना ने की। वहीं कार्यक्रम की मुख्य वक्ता राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर की प्रो. इनाक्षी चतुर्वेदी रही। डॉ अनिल कुमार शर्मा ने मुख्य वक्ता का औपचारिक परिचय सदन से करवाया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में महिला सशक्तिकरण को विस्तार से समझाया एवं अहिल्याबाई के व्यक्तित्व के साथ विकास का परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि समाज में महिला श्रेष्ठ हैं एवं उसका जितना सम्मान होगा राष्ट्र का विकास भी उतना ही अधिक होगा। समाज की उन्नति में महिला



सशक्तिकरण अति आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. के.एल. मीना ने महाविद्यालय में बालिकाओं की उन्नति के लिए समाज को जागरूक होने के लिए आवाहन किया। उन्होंने शिक्षक साथियों से इस दिशा में प्रयासरत रहने की अपील की एवं महाविद्यालय में छात्राओं के विकास में पूर्णतया सहयोग करने के लिए आश्चर्य व्यक्त किया। समाज में महिला श्रेष्ठ हैं एवं उसका जितना सम्मान होगा राष्ट्र का विकास भी उतना ही अधिक होगा। समाज की उन्नति में महिला

का समान रूप से भौतिक विकास होगा। कार्यक्रम में धन्यवाद विभाग अध्यक्ष प्रो. पी एम मीना ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ आंचल मीना ने किया। इस मौके पर डॉ जगत सिंह मीना, डॉ मीनाक्षी मीना, डॉ देशराज वर्मा, डॉ भगत सिंह, डॉ रजनी मीना, संजय बमनावत, डॉ सुमेर सिंह बैरवा, ओमप्रकाश मीना, सुबोध शर्मा, जितेंद्र यादव, कपिल देव कुण्डारा सहित संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राज्यपाल पुरूरकार से राज्य स्तर पर सम्मानित शिक्षक दिनेश सैनी का शिक्षकों ने किया सम्मान



संजीवनी टुडे

राजगढ़ (अलवर)। कस्बे के राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर दो राजगढ़ में बुधवार को राज्य स्तर पर शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक दिनेश कुमार सैनी बालगौर का सम्मान समारोह का आयोजन राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सेवानिवृत्ति शिक्षक प्रहलाद सैनी के मुख्य अतिथ्य व यूसीबीआई सुभाष चंद्र शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर शिक्षक दिनेश कुमार सैनी को राज्य स्तर पर सम्मानित होने पर शिक्षकों की ओर से माला व

साफा पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्ति राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक प्रहलाद सैनी ने शिक्षक दिनेश सैनी के नवाचारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रत्येक शिक्षक को इनके द्वारा किए गए नवाचारों से प्रेरणा लेकर विद्यालय में बच्चों को संस्कारित व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन संस्थाप्रधान नरेश कुमार सैनी ने किया। इस अवसर पर अशोक कुमार मुखिया, रोशनलाल सैनी, राजेश सैनी, अशोक शर्मा, राजकुमार गुप्ता, जितेंद्र सैनी, जगदीश पारखर, नवल सिंह, अनु शर्मा, संतोष सैनी सहित बच्चे व शिक्षक उपस्थित रहे।

राजनीति विज्ञान विभाग परिषद का राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ आयोजन



संजीवनी टुडे

राजगढ़। बुधवार को राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ में राजनीति विज्ञान विभाग की परिषद के तत्वाधान में "महिला सशक्तिकरण एवं राजमाता अहिल्या बाई" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. पी.एम. मीना ने बताया कि कार्यशाला की अध्यक्षता प्रो. के.एल. मीना एवं मुख्य वक्ता प्रो. इनाक्षी चतुर्वेदी (राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर) रही। प्रो. पी. सी. मीना ने विषय का प्रवर्तन किया। डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने मुख्य वक्ता का औपचारिक परिचय सदन से करवाया। मुख्य वक्ता ने अपने उद्बोधन में महिला सशक्तिकरण को विस्तार से समझाया एवं अहिल्या बाई के व्यक्तित्व के साथ विकास का परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया। समाज में महिला श्रेष्ठ हैं एवं उसका जितना सम्मान होगा राष्ट्र का विकास भी उतना ही अधिक होगा। समाज की उन्नति में महिला

सशक्तिकरण अति आवश्यक है। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. के.एल. मीना, महाविद्यालय में बालिकाओं की उन्नति के लिए समाज को जागरूक होने के लिए आवाहन किया, शिक्षक साथियों से इस दिशा में प्रयासरत रहने की अपील की एवं महाविद्यालय में छात्राओं के विकास में पूर्णतया सहयोग करने के लिए आश्चर्य व्यक्त किया, सशक्तिकरण वास्तविक अर्थों में तब ही सार्थक होगा जब स्त्री और पुरुष दोनों का समान रूप से भौतिक विकास होगा। अन्त में औपचारिक धन्यवाद विभागाध्यक्ष प्रो. पी.एम. मीना ने ज्ञापित किया एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. आंचल मीना ने किया। इस दौरान में कार्यक्रम में डॉ जगत सिंह मीना, डॉ. मीनाक्षी मीना, डॉ. देशराज वर्मा, डॉ. भगत सिंह, डॉ. रजनी मीना, संजय बमनावत, डॉ. सुमेर सिंह बैरवा, ओम प्रकाश मीना, सुबोध शर्मा, जितेंद्र यादव, कपिल देव कुण्डारा आदि संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन का नवाचार: प्रशासन, आमजन एवं स्वयंसेवी संस्थाओं की सहभागिता से चलेगा अभियान

पर्यटन के विकास और स्वच्छता में अलवर को अग्रणी बनाने के लक्ष्य के साथ जिले में 'अतुल्य अलवर' अभियान प्रारम्भ

संजीवनी टुडे

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिक शुक्ला ने बताया कि अलवर जिले में धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण जिला है। यहां सरिस्का बाघ परियोजना, पाण्डुपोल, भर्तृहरि, बालाकिला, संग्रहालय, सिलीसेड, सागर एवं विभिन्न पुरामहत्व की संरचनाएं पर्यटन की अतुल संभावनाएं लिए हुए हैं। अलवर जिले को पर्यटन के क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति में लाने के लिए विकास के बिन्दुओं में अत्यन्त महत्वपूर्ण बिन्दु स्वच्छता है जिसका मानव एवं अन्य जीवों के स्वास्थ्य से सीधा संबंध है। स्वच्छता केवल नगरीय सीमाओं का विषय नहीं है बल्कि आमजन द्वारा आत्मसात कर इसे अपनी जीवनशैली के रूप में अपनाया जाना चाहिए। इसी उद्देश्य को लक्ष्य करते हुए 'शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण 2024' में अलवर को नवीन ऊंचाईयों पर ले जाने पर अतुल्य अलवर के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए आमजन की सहभागिता एवं उत्सर्ग निवास करने वाली 5 लाख से अधिक जनसंख्या को दृष्टित रखते हुए योजनाबद्ध एवं चरणबद्ध रूप में चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के प्रथम चरण में अलवर शहर के सभी मुख्य मार्गों, बाजारों, चौराहों, सार्वजनिक पार्क/स्थलों, पर्यटन स्थलों, बसियों, कॉलोनीयों, विद्यालयों, शिक्षण संस्थानों, रेल्वे स्टेशन सहित सम्पूर्ण शहर में विशेष सफाई अभियान चलाया जाकर साफ-सफाई, कचरा संग्रहण एवं नालियों की सफाई आदि कार्य किए जाएंगे।

आमजन अभियान का लोको तैयार कर 7 दिवस में मेल आईडी पर आमंत्रित की गई है। आमजन इस अभियान का लोको डिजाइन कर इस मेल आईडी पर भिजवाए। उक्त लोगो का चयन लोको का चयन कर अतुल्य अभियान का लोको जारी किया जावेगा। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य अलवर शहर को कचरा फ्री, क्लीन शहर, प्लास्टिक फ्री शहर, वाटर प्लस शहर, ओडीएफ प्लस के रूप में स्थापित करना है। साथ ही शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में अलवर की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार लाकर उच्च स्तर तक लाना है, पर्यटन गतिविधियों में मूलभूत सुधार कर उसमें वृद्धि करना एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को इस अभियान से जोड़कर उनकी कार्य क्षमता में वृद्धि करना एवं रोजगार के अवसर विकसित करना है। उन्होंने बताया कि यह अभियान शहर की भौगोलिक सीमा एवं उत्सर्ग निवास करने वाली 5 लाख से अधिक जनसंख्या को दृष्टित रखते हुए योजनाबद्ध एवं चरणबद्ध रूप में चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के प्रथम चरण में अलवर शहर के सभी मुख्य मार्गों, बाजारों, चौराहों, सार्वजनिक पार्क/स्थलों, पर्यटन स्थलों, बसियों, कॉलोनीयों, विद्यालयों, शिक्षण संस्थानों, रेल्वे स्टेशन सहित सम्पूर्ण शहर में विशेष सफाई अभियान चलाया जाकर साफ-सफाई, कचरा संग्रहण एवं नालियों की सफाई आदि कार्य किए जाएंगे।

शहर के कम्प्यूनिटी एवं पब्लिक टॉयलेटों की मरम्मत, रख-रखाव, साफ-सफाई काराकर उपयुक्त संकेतक लगाए जाएंगे। सार्वजनिक स्थलों एवं अन्य उपर्युक्त स्थलों पर थैलो/रेड स्पॉट को चिन्हित कर हटया जाएगा एवं 2 अक्टूबर को पूरे शहर में विशेष अभियान अभियान चलाकर नालियों की सफाई के साथ-साथ बड़े नालों को फ्रेरो कवर से ढका जाएगा। अभियान की सफलता हेतु व्यापक जनभागीदारी सुदृढ करने के उद्देश्य से समन जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा जिसमें व्यापारिक संगठनों, सिविल सोसायटी एवं स्वयंसेवी संगठनों को जोड़ा जाएगा तथा शहर के प्रमुख चौराहे, पार्क, तिराहों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थलों की नियमित स्वच्छता तथा सफाई व्यवस्था व सौन्दर्यकरण हेतु विद्यालयों, व्यापारिक संगठनों एवं अन्य स्वयंसेवी संगठनों को इनको गोद लेने हेतु प्रेरित किया जाएगा तथा आमजन को कचरा इधर-उधर नहीं फैलाने हेतु प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के द्वितीय चरण में अम्बेडकर नगर स्थित डामिंग यार्ड/कचरा ट्रांसफर स्टेशन का दुस्व्यकरण करया जाएगा। अचारा स्थित अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र को दुस्व्यकरण संग्रहित कचरे का सुचारु रूप से प्रसंस्करण कर संचालित किया जाएगा। वार्डों की ऐसी बस्तियों एवं झुगियां में ऑटो टिपर के माध्यम से डोर टू डोर कचरा संग्रहित करया जाएगा तथा जहां ऑटो

टिपर नहीं पहुँच सकते हैं वहां कचरा संग्रहण की वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। शहर के सभी वार्डों में नियमित साफ-सफाई आदि सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान के तीसरे चरण में अलवर को कचरा फ्री, प्लास्टिक फ्री, वाटर प्लस सिटी और ओडीएफ प्लस सिटी बनाये जाना सुनिश्चित किया जाएगा। इंग्लोपेशन, प्रज्युकेशन और कम्युनिकेशन के तहत आमजन को विभिन्न माध्यमों से अपने आसपास साफ-सफाई रखने हेतु जागरूक किया जाएगा। सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को अप्रचलित करते हुए राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा कपड़े के थैले बनाये जाकर उन्हें रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। शहर की स्वच्छता एवं सफाई के संबंध में विद्यालयों, कॉलेजों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करया जाएगा जिससे स्वच्छता को शिक्षा के साथ ही संस्कार के रूप में विकसित किया जा सके। अतुल्य अलवर स्वच्छता अभियान के सफल क्रियान्वयन, सुचारु संचालन हेतु अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग की जाएगी जिसके लिए वार्डवार पर्यवेक्षण अधिकारी नियुक्त किए गए हैं जिसमें अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम वार्ड संख्या 35 से 45 तक, अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय वार्ड संख्या 56 से 65 तक, अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर वार्ड संख्या 46 से 55 तक, नगर विकास न्यास की

सचिव वार्ड संख्या 1 से 10 तक तथा वार्ड संख्या 25 से 34 तक, उपखण्ड अधिकारी अलवर वार्ड संख्या 16 से 24 तक, सहायक निदेशक जिला बाल संक्षरण इकाई वार्ड संख्या 11 से 15 तक की मॉनिटरिंग एवं पर्यवेक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट शहर अलवर अभियान की नोडल अधिकारी रहेंगी। उन्होंने बताया कि मॉनिटरिंग हेतु इस्तेमाल कर अभय कमाण्ड के कैमरों से सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग की जाएगी। साथ ही 25 कचरा संवेदनशील बिन्दुओं का लक्ष्य रखते हुए उनके स्थान पर वृक्षारोपण या सेल्फी पॉइंट्स निर्मित किए जाएंगे। शहर के सौन्दर्यकरण एवं अनुपयोगी वस्तुओं के निस्तारण के क्रम में शहर का पहला वेस्ट टू आर्ट/वेस्ट टू वेल्थ पार्क बनाया जाएगा। सफाई के संबंध में आमजन की शिक्षायत के रजिस्ट्रीकरण/पंजीकरण एवं फोडबैक हेतु एक पब्लिक पोर्टल दृढयद्दृढयद्दृढयद्दृढ गांधी जयन्ती 2 अक्टूबर 2024 से लॉन्च किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान में पूर्ण कर्मचिन्ना के साथ संस्थाओं को बाले अधिकारी, कर्मचारी, स्वयंसेवी संस्थाएं एवं आमजन को प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिमाह उक्त वार्ड, उक्त सफाईकर्मी एवं उक्त संस्था के रूप में पुरस्कृत किया जाएगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बूथों पर घर-घर जाकर बनाई सदस्य



संजीवनी टुडे

राजगढ़ (अलवर)। भारतीय जनता पार्टी मंडल राजगढ़ द्वारा भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, मंडल अध्यक्ष राहुल दीक्षित, कार्यक्रम संयोजक ऋषिराज शर्मा व एडवोकेट महेश मीणा के नेतृत्व में अनेक बूथों पर सदस्यता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम मंडल संयोजक प्रदीप शर्मा ने मीडिया कर्मी राजकुमार गुप्ता को बताया कि इससे पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने राजगढ़ नगर पालिका के अध्यक्ष सतीश दुहारिया व समस्त पार्षदगणों की बैठक लेकर कहा कि सदस्यता अभियान में वार्डवार ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने हैं इसके लिए उन्होंने लक्ष्य निर्धारित किये। तत्पश्चात पुराना राजगढ़, आमकीवाल बूथों पर व राजगढ़ के अनेक बूथ पर घर-घर जाकर सदस्य बनाए गए। इस अवसर पर प्रेमनाथ धामानी, सुखराम सैनी, प्रीति शर्मा, अंजु बाला सैनी, अशोक बजाज, रूपनारायण मीणा, बेनी सैनी, कालूराम सैनी, धर्मचंद सैनी, गौरव कसेरा, दिनेश पटेल, बबली सैनी, राजू राम सैनी, मांगेलाल सैनी सहित अनेकों पार्षद और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। इससे पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता व ऋषिराज शर्मा के नेतृत्व में माचाड़ी, पिनान मंडल व रणी मंडल में मंडल अध्यक्ष बनवारी लाल मीणा, कालू राम मीणा, भाग्यशाली सैनी मंडल अध्यक्ष राकेश शर्मा, बादल सैनी के नेतृत्व में घर-घर जाकर मंडल में अनेकों बूथों पर सदस्य बनाये गये।

कार और टैकर में भीषण टक्कर, -हादसे में कार सवार दंपती समेत मासूम की मौत

संजीवनी टुडे

चाकसू। यहां शिवदासपुरा थाना इलाके के रिंग रोड पर बुधवार की शाम एक कार और टैकर में भीषण टक्कर हो गई और वहीं टक्कर इतनी तेज थी कि कार के आगे का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था और हादसे में कार सवार दंपती समेत मासूम की मौत हो गई वहीं सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली गई और थानाप्रभारी रणजीत सिंह ने बताया कि पुलिस ने बड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे तीनों शवों को बाहर निकाले और मोर्चरी ने खंवाए गए और वहीं मिली जानकारी के अनुसार बीलवा निवासी किशन पुत्र शंकर लाल शर्मा जो अपनी पत्नी पंकी व डेढ़ वर्षीय मासूम शेट्टी गडू के साथ कार से आ रहा था और रिंग रोड पहुंचने पर कानोता से शिवदासपुरा आ रहे टैकर से कार की भिड़ंत हो गई थी और वहीं टक्कर इतनी तेज थी कि कार के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और कार सवार उममे फंस गये थे और बताया कि पुलिस ने बड़ी मशक्कत के बाद शव बाहर निकाले और हादसे के बाद टैकर छोड़कर चालक फरार हो गया था और वहीं फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।



खबरें फटाफट

जिला स्तरीय जनसुनवाई आज

राजसमंद। जिला स्तरीय जनसुनवाई 19 सितंबर, गुरुवार को सुबह 11 बजे से 2 बजे तक जिला कलेक्टर स्थित डीओआईटी के वीसी कक्ष में आयोजित होगी। जनसुनवाई में जिला कलेक्टर शुभम चौधरी परिवारियों की समस्याएं सुन समाधान करेंगे। इस दौरान सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रह कर समस्याओं के समाधान में त्वरित सहयोग प्रदान करेंगे।

मामले का त्वरित संज्ञान लेकर दोषियों पर उचित कार्रवाई के लिए उपखंड अधिकारी से की बात

राजसमंद। जिला स्तरीय जनसुनवाई 19 सितंबर, गुरुवार को सुबह 11 बजे से 2 बजे तक जिला कलेक्टर स्थित डीओआईटी के वीसी कक्ष में आयोजित होगी। जनसुनवाई में जिला कलेक्टर शुभम चौधरी परिवारियों की समस्याएं सुन समाधान करेंगे। इस दौरान सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रह कर समस्याओं के समाधान में त्वरित सहयोग प्रदान करेंगे।

रक्तदाताओं ने ए नेगेटिव ब्लड रक्तदान करके मरीज की बचाई जान

राजसमंद। जिला स्तरीय जनसुनवाई 19 सितंबर, गुरुवार को सुबह 11 बजे से 2 बजे तक जिला कलेक्टर स्थित डीओआईटी के वीसी कक्ष में आयोजित होगी। जनसुनवाई में जिला कलेक्टर शुभम चौधरी परिवारियों की समस्याएं सुन समाधान करेंगे। इस दौरान सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रह कर समस्याओं के समाधान में त्वरित सहयोग प्रदान करेंगे।

राजसमंद। जिला स्तरीय जनसुनवाई 19 सितंबर, गुरुवार को सुबह 11 बजे से 2 बजे तक जिला कलेक्टर स्थित डीओआईटी के वीसी कक्ष में आयोजित होगी। जनसुनवाई में जिला कलेक्टर शुभम चौधरी परिवारियों की समस्याएं सुन समाधान करेंगे। इस दौरान सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रह कर समस्याओं के समाधान में त्वरित सहयोग प्रदान करेंगे।

पशुगृह स्वच्छता एवं पशुओं के स्वास्थ्य पर हुई चर्चा

राजसमंद। जिला स्तरीय जनसुनवाई 19 सितंबर, गुरुवार को सुबह 11 बजे से 2 बजे तक जिला कलेक्टर स्थित डीओआईटी के वीसी कक्ष में आयोजित होगी। जनसुनवाई में जिला कलेक्टर शुभम चौधरी परिवारियों की समस्याएं सुन समाधान करेंगे। इस दौरान सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रह कर समस्याओं के समाधान में त्वरित सहयोग प्रदान करेंगे।

एमएनआईटी का 18वां दीक्षांत समारोह: तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश विश्वभर में अग्रणी बने: राष्ट्रपति

संजीवनी टुडे

राज्य सरकार शीघ्र ही युवा नीति-2024 लाएगी: शर्मा

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश विश्वभर में अग्रणी बने। इसके लिए प्रौद्योगिकी संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए सभी मिलकर कार्य करें। उन्होंने राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षण संस्थाओं को शोध अनुसंधान में मौलिक दृष्टि रखते हुए कार्य करने, पर्यावरण अनुकूल तकनीक अपनाने और विकसित भारत की संकल्पना के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया। मुर्मू बुधवार को एमएनआईटी के 18वें दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रही थीं। उन्होंने समारोह में 20 में से 12 स्वर्ण पदक छात्रों को मिलने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि लड़कियां आगे बढ़ती हैं, तो देश तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने संस्थान की फैकल्टी में एक तिहाई महिलाएं होने को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि देश के प्रौद्योगिकी संस्थानों को नेशनल इंस्टीट्यूट के रूप में राष्ट्र महत्व के संस्थान का दर्जा दिया गया है कि ताकि इनके जरिए भारत तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़े। राष्ट्रपति ने समारोह में 805 स्नातक, 477



स्नातकोत्तर और 79 पीएचडी विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की और 20 स्वर्ण पदक प्रदान किए। उन्होंने छात्रों के लिए निर्मित अरावली छात्रावास का लोकार्पण भी किया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा देश के प्रधानमंत्री शं नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत 2047' की जो संकल्पना संजोई है, उसका मूल आधार यही है कि देश सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास की ओर आगे बढ़े। इसमें युवाओं की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से

अर्जित तकनीकी ज्ञान का राष्ट्र के विकास में उपयोग करने पर जोर दिया। बागडे ने एमएनआईटी में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' विभाग की स्थापना की सराहना की तथा कहा कि युवा टेक्नोक्रेट्स के लिए आने वाले समय में इससे महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि यांत्रिक ज्ञान जरूरी है, परन्तु इस ज्ञान के साथ यदि नैतिक और मानवीय मूल्य जुड़े रहेंगे तभी हम सबका साथ, सबका विकास को सही मायने में

सफलभूत कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र की बौद्धिक संपदा है। उन्हें देश के लोकतंत्र और बहुलता के आदर्शों को पूरी तरह से समझते हुए 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भारतीय संस्कृति और 'सर्वे भवन्तु सुखिन' के अंतर्गत सबके मंगल की कामना को ध्यान में रखते हुए भविष्य के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने सभी को राष्ट्र आराधना करते हुए देश और समाज की उन्नति के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को व्यसन मुक्त रहने और अपने अंदर नैतिक गुणों का अधिक से अधिक विकास किए जाने का आह्वान किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति के साथ तालमेल रखने, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहने और जो भी काम मिले, उसे लगन से करने पर जोर दिया। बागडे ने कहा कि प्रयास रहेगा कि राजस्थान के सभी विश्वविद्यालय नैक रैंकिंग प्राप्त करें। पूरे देश में राज्य के विश्वविद्यालय गुणवत्ता की शिक्षा में अग्रणी रहें। उन्होंने संस्थान के आचार्यों का आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि के लिए कार्य करें। नई शिक्षा नीति की मंशा के अनुरूप विद्यार्थियों को एंसी शिक्षा प्रदान करें, जिससे वे रोजगार पाने के योग्य नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनें। मुख्यमंत्री भजनलाल

शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित कर रही है। सरकार द्वारा आगामी 5 वर्षों में चार लाख सरकारी भूमियों की जाएगी। इस वर्ष भी एक लाख से अधिक पदों पर भर्ती की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए युवा नीति-2024 तथा कौशल क्षमता विकास के लिए एंटी स्टेट स्किल पॉलिसी लाई जा रही है, जिससे युवाओं की प्रगति का मार्ग प्रशस्त हो सके। शर्मा ने कहा कि युवाओं को स्टार्टअप स्थापित करने तथा उनमें उद्यमिता बढ़ाने के लिए एंटी एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम शुरू किया जा रहा है, जिसके माध्यम से युवाओं को देश-विदेश के उत्कृष्ट सीईओ का मार्गदर्शन मिलेगा। साथ ही, इसके तहत चयनित स्टार्टअप को 10 करोड़ रूपए तक की फंडिंग भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जयपुर, भरतपुर, बीकानेर और उदयपुर में एक हजार करोड़ रूपए की लागत से अटल इनोवेशन स्टूडियो एंड एक्सिलीरेटर्स स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हो सके। शर्मा ने कहा कि तेजी से बदलते हुए परिदृश्य में विद्यार्थी अपनी विशेषज्ञता से न केवल नई तकनीक का विकास कर सकते हैं, बल्कि अनेक समस्याओं के समाधान में भी अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

स्वच्छता ही सेवा के तहत भाषण, निबंध, चार्ट निर्माण, रंगोली व सामूहिक गीत नृत्य प्रतियोगिता आयोजित

संजीवनी टुडे

सादड़ी। स्वच्छता ही सेवा के तहत नगरपालिका सादड़ी के तत्वावधान में स्थानीय पीएम श्री श्रीधनराज बदायिया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सादड़ी में भाषण निबंध चार्ट निर्माण रंगोली सामूहिक गीत व नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें नगर के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी विभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नगरपालिका उपाध्यक्ष हीरा राम जाट, शहरी संकुल प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी व स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर विजय सिंह माली व कनिष्ठ अभियानता जयेश पालीवाल ने पारितोषिक देकर सम्मानित किया। स्वच्छता ही सेवा अभियान प्रभारी सरस्वती पालीवाल ने बताया कि नगरपालिका सादड़ी द्वारा फिनिस सोसाइटी के सहयोग से बालिकाओं को स्वच्छता ही सेवा अभियान की जानकारी दी गई तथा श्रमदान कर विद्यालय परिसर को स्वच्छ बनाया तत्पश्चात महावीर प्रसाद, सुशीला सोनी व मनीषा सोलंकी के निदेशन में निबंध भाषण चित्रकला रंगोली व



सांस्कृतिक गीत नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पीएम श्री श्रीधनराज बदायिया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, सनराइज पब्लिक स्कूल, बैथनी मिशन स्कूल, महात्मा गांधी विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया मधु गोस्वामी, सरस्वती पालीवाल ने निर्णायक भूमिका निभाई। प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नगरपालिका उपाध्यक्ष हीरा राम जाट के करकमलों से पारितोषिक व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी ने स्वच्छता की शपथ ली। मंच संभालन महावीर प्रसाद ने किया। इस अवसर पर स्नेहलता गोस्वामी, मनीषा ओझा, रमेश सिंह राजपुरोहित वीरमराम

चौधरी रमेश कुमार वछेटा गजेंद्र सिंह समेत समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। इससे पहले पीएम श्री श्रीधनराज बदायिया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सादड़ी में प्रधानाचार्य विजय सिंह माली के सानिध्य में स्वच्छता ही सेवा अभियान प्रारंभ हुई। महावीर प्रसाद, सरस्वती पालीवाल, मधु गोस्वामी व मनीषा ओझा के निदेशन में बालिकाओं ने स्वच्छता रैली निकाली जो विद्यालय से प्रारंभ होकर नई आबादी की विभिन्न गलियों से गुजरती हुई पुनः विद्यालय पहुंची जहां माली ने बालिकाओं को स्वच्छता को अपना स्वभाव व अपना संस्कार बनाने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि स्वच्छता ही सेवा अभियान का समापन 2 अक्टूबर को होगा।

गरिमा और सुरक्षा के साथ जीवन यापन बुजुर्गों का अधिकार: डीएलएसए सचिव अग्रवाल

संजीवनी टुडे

भीम के बदनौर में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

राजसमंद। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष के निदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव संतोष अग्रवाल (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) द्वारा बदनौर, भीम में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों और समाज में उनके महत्व का प्रचार करना था। अग्रवाल ने बताया कि भारतीय संविधान में वरिष्ठ नागरिकों को विशेष अधिकार और सुरक्षा प्रदान की गई है। माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत, बुजुर्गों को उनके बच्चों द्वारा देखभाल का अधिकार प्राप्त है। यह कानून बुजुर्गों



को गरिमा और सुरक्षा के साथ जीवन यापन सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि वरिष्ठ नागरिक समाज का महत्वपूर्ण अंग होते हैं और उनका जीवन अनुभव और ज्ञान परिवार और समाज को मार्गदर्शन देता है। उनका सम्मान और देखभाल केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं है, बल्कि यह परिवारों में नैतिक मूल्यों को भी बनाए रखने का एक महत्वपूर्ण साधन है। साथ ही उन्होंने

घाणोराव के आबादी क्षेत्र में व तीर्थ स्थलों के पास पैथर के मूमेंट से लोगो में दहशत

संजीवनी टुडे

घाणोराव, पाली। घाणोराव छिपो के महल्ला स्थित मस्जिद के पास, गुणेश्वर महादेव की पहाड़ी पर व नया नाकोड़ा जैन तीर्थ कीर्ति स्तंभ के पास पैथर का हो रहा रेगुलर मूमेंट। गुणेश्वर की पहाड़ी की गुफा में पैथर परिवार ने बनाया रखा है अपना आशियाना। दो बच्चों सहित रहता है नर व मादा पैथर परिवार। पहाड़ी के ऊपर है नागनेश्वरी माता मंदिर तो निचे गुणेश्वर महादेव व द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर। प्रतिदिन पूजा अर्चना के लिए पहुंचते ही सैकड़ों श्रद्धालु। पैथर परिवार से लोगो में दहशत, श्रद्धालुओं में बना रहता है हर समय अनहोनी घटना का अंदेश। तीर्थ स्थल ट्रस्ट व लोगो ने वन विभाग का कई बार दी सूचना। लेकिन नहीं दिया जा रहा है ध्यान। घाणोराव के छिपो के मोहल्ले व मस्जिद क्षेत्र में भी पिछले कई दिनों लगातार आरहा है पैथर। जिससे लोगो को अनहोनी होने का सता रहा ही भय। देसूरी क्षेत्र में पैथरों का बढ़ रहा है कुनबा। क्षेत्र के घाणोराव काला टूक, माताजी मगरी, छोड़ा, कोटडी, देसूरी किला, नारलाई पहाड़ियों,



मादा, सिन्दरली, पहाड़ियों की गुफा में पैथरों ने अपने कुनबे के साथ बनाया हुआ है आशियाना, पहाड़ियों पर सुबह शाम दोपहर आराम करते नजर आ रहे पैथर। देसूरी उपखण्ड क्षेत्र में पैथरों के लिए अनुकूल है माहौल, देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए पैथर बने हुए हैं आकर्षण का केंद्र। लेकिन आम लोग व किसानों के लिए बना हुआ है संकट।

संजीवनी टुडे

उदयपुर। सलूमबर विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रस्तावित उपचुनाव को लेकर निर्वाचन विभाग राजस्थान के निदेशानुसार जिला निर्वाचन कार्यालय ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सैक्टर ऑफिसर सहित उद्घनदस्तों, स्थितिक दलों, वीडियो मॉनिटरिंग दल, व्यय पर्यवेक्षकों आदि के प्रशिक्षण भी आयोजित किए जा चुके हैं। इसी कड़ी में बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द पोसवाल के निदेशन में कलक्ट्रेट मिनी सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण हुआ। प्रशिक्षण में निर्वाचन व्यय निगरानी प्रकोष्ठ के प्रभारी अधिकारी व एसीईओ स्मार्ट सिटी कृष्णपाल सिंह चौहान ने निर्वाचन व्यय को लेकर आयोग की गाइडलाइन से अवगत कराया। साथ ही चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों एवं प्रत्याशियों के लिए खाद्य सामग्री, टेन्ट व्यवस्था, वाहनों आदि की अनुमोदित दरों की जानकारी दी। चौहान ने निर्वाचन व्यय के संधारण तथा समय-समय पर व्यय विवरण उपलब्ध कराने के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी।



राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ. महामाया प्रसाद चौबीसा ने आदर्श आचार संहिता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आयोग की ओर से उपचुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। प्रशासन की ओर से गठित उपखण्ड क्षेत्र व दल आदर्श आचार संहिता की पालना सुनिश्चित कराएंगे। इसमें सभी राजनीतिक दलों के सहयोग की अपेक्षा रहेगी। उपनिदेशक जनसंपर्क गौरीकान्त शर्मा ने मीडिया प्रकोष्ठ तथा मीडिया सर्टिफिकेशन एण्ड मॉनिटरिंग सेल के संबंध में जानकारी देते हुए विज्ञापन अधिप्रमाणन

तथा पेडन्युज मॉनिटरिंग की प्रक्रिया से अवगत कराया। बैठक में कोषाधिकारी प्राणोण महेंद्र सिंह, जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ. प्रणय जोशी, भारतीय जनता पार्टी की ओर से मनीष शर्मा, आशीष कोठारी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से अरुण टांक व महेंद्र डामोर, भारतीय बहुजन पार्टी से सुरेश कुमार मेघवाल आदि उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में डॉ. चौबीसा ने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार होम वोटिंग की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग, 40 प्रतिशत से अधिक विकलांगता वाले दिव्यांगजन तथा कोविड पॉजिटिव मरीजों को होम वोटिंग की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए आयोग के निदेशानुसार फॉर्म 12डी

बैंकों से संबंधी जिला स्तरीय समीक्षा समिति बैठक सम्पन्न: फसल बीमा योजना के अन्य बैंकिंग योजनाओं व ऋण कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार के लिए निर्देश

किसानों व ग्रामीणों को लाभान्वित करने के लिए निर्देश

उदयपुर। मार्गदर्शी बैंक कार्यालय की ओर से जून 2024 तिमाही की जिला स्तरीय समीक्षा समिति बैठक बुधवार को उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर दीपेन्द्र सिंह राठोड़ एवं जिला परिषद के सीईओ हेमेंद्र नागर की उपस्थिति में जिला परिषद सभागार में आयोजित हुई। बैठक में वार्षिक साख योजना, साख जमा अनुपात, कृषि ऋण, जन धन, सुरक्षा बीमा योजना, वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम, फसल बीमा एवं अन्य सरकार द्वारा प्रायोजित ऋण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। विधायक मीणा ने फसल बीमा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर किसानों को फसल बीमा हेतु प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। उन्होंने सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं का समुचित लाभ आदिवासी अंचल के लोगों को दिलाने तथा जरूरतमंद एवं समाज के कमजोर वर्ग के लोगों को सुलभ ऋण उपलब्ध करा लाभान्वित करने के निर्देश दिए। एडीएम प्रशासन राठोड़ ने बैंकों



को सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं के आवेदन का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक रूप से त्रैमासिक बैठकों में भाग लेने एवं अपने ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को बीएलबीसी बैठकों में उपस्थिति दर्ज करवाने के भी निर्देश दिए। जिला

परिषद सीईओ हेमेंद्र नागर ने सभी बैंकों को कृषि क्षेत्र में ऋण प्रवाह बढ़ाने, फसल बीमा में प्रोत्साहन बढ़ाने तथा फसल खराबे का सही अंकलन करके प्रभावित किसानों को मुआवजा दिलवाने के निर्देश दिए। एलडीएम राजेश जैन ने सभी का स्वागत किया एवं सदन को अवगत कराया कि जून वित्तवर्ष में बैंकों के

द्वारा प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में जिले के वार्षिक लक्ष्य रूपये 7866 करोड़ के विरुद्ध रूपये 9589 करोड़ के ऋण वितरण किये गए हैं, जो आर्वटित लक्ष्य का 122 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि वर्तमान वित्तवर्ष हेतु जिले में कार्यरत बैंकों को 11915 करोड़ रूपये का लक्ष्य आर्वटित किया था तथा बैंकों द्वारा पहली तिमाही में ही इस लक्ष्य का 40 प्रतिशत हासिल कर लिया गया है। अग्रणी जिला प्रबंधक ने सदन को बताया कि वित्तवर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के दौरान जिले का साख जमा अनुपात 65.5 प्रतिशत रहा है। बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक जयपुर के प्रबंधक गौरव धृत, भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक लक्ष्मीधर, आरएमजीबी के क्षेत्रीय प्रबंधक के.के. गुप्ता, बैंक ऑफ़ इंडिया के उप-क्षेत्रीय प्रबंधक अनुज पोखवाल, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक शैलेन्द्र शर्मा, महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक संजय जोशी, हेमराज सोनवाल एवं मोहन जाखड़ सहित जिले में संचालित समस्त बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गिरदावरी के कार्यों को शीघ्रता से करने के निर्देश, अगले समीक्षा बैठक में न्यून प्रगति पर होगी कार्यवाही

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने गिरदावरी से संबंधित कार्यों में शीघ्रता से लक्ष्य अनुसार कार्यों में प्रगति के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह निर्देश बुधवार को डीओआईटी सभा कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से तहसीलदारों को दिए। उन्होंने तहसील वार गिरदावरी, किसान गिरदावरी, क्रांप कर्टिंग, क्रांप कर्टिंग प्रयोग, पीएम ई केवाईसी आदि बिंदुवार समीक्षा करते हुए न्यून प्रगति वाली तहसील एवं पटवार मंडल को अगली समीक्षा बैठक में लक्ष्य अनुसार प्रगति करने के निर्देश दिए। उन्होंने 25 सितंबर तक फसल कटाई प्रयोग के प्रथम भाग को संपादित करने के निर्देश दिए। साथ ही कृषि अधिकारी को सहायक एवं अधीनस्थ कार्मिकों को लक्ष्य देते हुए प्रभावी मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। जिला



कलेक्टर ने सभी तहसीलदार को अपने स्तर पर समीक्षा बैठक करने तथा जिन पटवार मंडलों में लक्ष्य के अनुसार प्रगति नहीं है उन पर विशेष फोकस करने, पटवार मंडल के अनुसार प्रतिदिन रिपोर्ट ग्रुप में भेजने, फसल कटाई पीपीटी को अपने अधीनस्थ टीम के साथ साक्षात् कर बताने, डूंगरपुर नीरज मिश्र सहित ब्लॉक स्तर पर समस्त तहसीलदार, पटवारी एवं अन्य कार्मिक मौजूद रहे।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

मैंने तुम पर भरोसा किया,
तुमने किया विश्वासघात

आदमी अपने जीवन काल में करिबी न करिबी जानवर को पानी पिलाता ही है या करिबी न करिबी रूप में उसे खाना देता ही है। ऐसे में मनुष्य और इन जानवरों के बीच कम से कम एक भरोसे का रिश्ता तो रहा ही है। बेशक कोई व्यक्ति हाथी को अपने घर में नहीं पालता, लेकिन जब आदमी हाथी को खूता है तो दोनों के बीच एक भरोसा तो होता ही है का दोनों में से कोई भी करिबी को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। देश में गजानन के स्वरूप की प्रतीक एक गर्भवती हथिनी को भोजन के रूप में पटाखे खिलाकर उसके पेट में पल रहे भुण के साथ उसके जीवन को बेहद ही बेरहमी के साथ ध्वस्त करने की हठव्यवहारक घटना उसी देश में होती है, जहां पुण्य-प्रताप के लिए पशियों को दाना-पानी और चोंटी को आटा खिलाया जाता है। गाय और कुत्तों को रसोई घर में बनी पहली रोटी खिलाई जाती है। वर्तमान में केरल की ये घटना इंसान और जानवर के बीच के भरोसे के टूटने की घटना है। वर्तमान समय में एक तरफ पोस्ट ह्यूमन की बात की जा रही है तो वहीं दूसरी तरफ वैज्ञानिकों ने 29 अगस्त 2016 को इस बात की घोषणा कर दी कि हमारी धरती होलोसिन युग से निकलकर एक नए एन्थ्रोपोसिन युग में प्रवेश कर चुकी है। पोस्ट ह्यूमन की अवधारणा दरअसल प्रकृति से संबंधित हरेक चीज यहाँ तक कि पत्थर को भी इंसान के बराबर मूल्यवान मानता है वहीं एन्थ्रोपोसिन युग मानव-प्रकृति संघर्ष से उत्पन्न असंतुलन का परिणाम है।

पछिल्ले एक दशक में हाथियों की संख्या देश में 10 लाख से घटकर 27 हजार हो गई है, केरल में ही हर तीन से चार दिनों में एक हाथी की मौत हो जाती है। कई हाथी सर्कस में बंधक हैं। पूरे भारत में करीब 2 हजार से 2500 हाथियों को बंधक बनाकर रखा गया है। और करीब 1800 हाथी मंदिरों में बंधक हैं। केरल केरल में ही ऐसे 500 हाथी कैद में हैं। विकास के प्रति इंसानी लालच और बढ़ती आबादी का देवाल मनुष्यों और पशुओं के मध्य टकराव की स्थिति उत्पन्न कर रहा है। कई अहम प्रजातियों का अस्तित्व आज संकट में है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि तस्वीरबन 60 के दशक में ही ग्रेट इंडियन बस्टर्ड को भारत का राष्ट्रीय पक्षी घोषित करने की बात हो रही थी लेकिन हमारी अनदेखी की वजह से आज इनकी संख्या मात्र 200 रह गई है। गौरतलब है कि जब तक जंगल पर्याप्त मात्रा में थे तब तक मानव और वन्यजीव अपनी-अपनी सीमा क्षेत्रों में सुरक्षित थे लेकिन बदलते वक्त के साथ बढ़ती आबादी का देवाल जंगलों के अस्तित्व के लिए श्राप साबित हुए और बड़े स्तर पर जंगलों की कटाई प्रारंभ हो गई। कृषि का विस्तार, बढ़ती आबादी के लिए आवास, शहरीकरण और औद्योगिकीकरण में वृद्धि, पशुपालन, विभिन्न मानवीय आवश्यकताओं के कारण वनों की कटाई, चारे के कारण वनों के स्वरूप में बदलाव, बहुउद्देशीय नदी-घाटी परियोजनाएँ, झूम (स्थानांतरण) कृषि ऐसी ही कुछ वजहें इन संघर्षों का कारण हैं। हाल ही में पर्यावरण व वन्यजीवों की सुरक्षा के मद्देनजर बाँधीपुर टाइगर रिजर्व से गुजर रहे एनएच 766 पर रात नौ बजे से सुबह छह बजे के बीच ट्रैफिक पर रोक लगा दी गई है। इस रोक का उद्देश्य वन्यजीवों को होने वाली परेशानियों को कम करना है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इन संरक्षित क्षेत्रों के बीचों-बीच गुजरने वाले रेलवे ट्रैक के कारण बीते तीन सालों में तस्वीरबन 35 हाथियों और 11 बाघों की मौत हो चुकी है। लेकिन स्थानीय लोगों द्वारा इस रोक का सख्त विरोध होना मानव-पशु संघर्ष का उद्घरण है।

आपको बता दें कि मानव-पशु संघर्ष का ये कोई पहला मामला नहीं है। कुछ समय पहले पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने तीन राज्यों उत्तराखंड, बिहार और हिमाचल प्रदेश के कुछ वन्य प्रजातियों को अपराधी की श्रेणी में रखकर उन्हें मारने का अधिकार दे दिया था। इन पशुओं को मारने के बदले किसी भी प्रकार का अभियोग नहीं लगाने का भी प्रावधान दिया गया था। जैसे बिहार में नीलगाय, हिमाचल प्रदेश को बन्दर अन्य राज्यों में जंगली सुअर की हत्या करने पर किसी भी प्रकार का अभियोग नहीं लगाये जाने की बात कही गई थी। यह कदम इन जानवरों द्वारा बर्बाद किए जा रहे फसलों को लेकर उठाया गया था। हालाँकि इससे हुए नुकसान के सही आँकड़े नहीं है परन्तु किसानों या समर्पित मालिकों को इन पशुओं के कारण अनुमानतः 200 से 400 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। दूसरी तरफ प्राकृतिक संसाधनों पर इंसानी अतिक्रमण से हाथियों के स्वाभाविक करिबी चोर छिन गए हैं, बाघों और तेंदुओं की बढ़ती आबादी के लिए रहने की जगह और भोजन की किल्लह हो रही है। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी वन्यजीव आबादी में बढ़ोतरी के लिहाज से दुनिया में अग्रणी स्थान रखता है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेघ (बु, च, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क, की, कू, घ, ड, छ, के, के, ए) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अभूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, घ, ण, ठ, ठे, ठो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पछिल्ले छूटें कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, दा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहे तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गु, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसकी नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, ध, झ, ज, दे, दो, वा, वी) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बड़ी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएँ, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

कैसे चंद्रमा 'डगमगाने' बढ़ते ज्वार को प्रभावित करता है

विजय गर्ग

पिछली दो शताब्दियों में तेजी से औद्योगीकरण और बढ़ी हुई तकनीकी जटिलता के साथ, ऐसा लगता है कि हम अपने परिवेश पर अपने प्रभाव के परिणाम के साथ संपर्क खो चुके हैं। आज, पर्यावरण पर हमारी उंगलियों के निशान हर जगह पाए जा सकते हैं - वातावरण, महासागर और पृथ्वी की सतह। आगे नहीं बढ़ना है, अब आकाश में एक और खिलाड़ी है - चंद्रमा, जिसका आवधिक "डगमगाना" पृथ्वी पर बढ़ते समुद्र के स्तर के साथ निकट भविष्य में उच्च ज्वार को और भी ऊंचा कर देगा, अंततः दुनिया भर में विनाशकारी बाढ़ का कारण बन जाएगा। . उच्च ज्वार ज्यादातर पृथ्वी पर चंद्रमा द्वारा लगाए गए गुरुत्वाकर्षण खिंचाव के कारण होते हैं। लेकिन क्योंकि हमारे ग्रह का अकेला प्राकृतिक उपग्रह अनुमानित 18.6 साल के चक्र में इतनी धीमी गति से घूमता है, इसलिए खींचने की शक्ति साल-दर-साल बदलती रहती है। फिर भी, परिणाम दो एक साथ उच्च ज्वार हैं: एक पृथ्वी के किनारे पर चंद्रमा का सामना करना पड़ रहा है, और दूसरा विपरीत दिशा में। चंद्रमा की तुलना में पृथ्वी अपनी धुरी पर बहुत तेजी से घूमती है। सूर्य के बारे में उच्च कक्षीय गति के साथ युग्मित हमारे ग्रह का तीव्र घूर्णन ज्वारीय उभार को चंद्रमा की कक्षा से आगे खींच लेता है, जबकि चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण आकर्षण इसे पीछे की ओर खींचने की कोशिश करता है। इसलिए, पृथ्वी एक डूंगे फोर्स को महसूस करती है जिसे ज्वारीय घर्षण के रूप में जाना जाता है, जिसने अपनी घूर्णन अवधि को लगभग चार अरब साल पहले पांच घंटे से आज 23 घंटे 56 मिनट तक धीमा कर दिया है। चंद्रमा को अपनी धुरी पर एक बार घूमने में उतना ही समय लगता है - 27.3 दिन - जितना वह पृथ्वी की परिक्रमा करने में लेता है। इसे सिंक्रोनस रोटेशन कहा जाता है। दूसरे शब्दों में, चंद्रमा को पृथ्वी के साथ बांधा गया है, जिसका अर्थ है कि हम हमेशा चंद्रमा का एक ही पक्ष देखते हैं, भले ही चंद्रमा अपनी कक्षा में कहीं भी हो। इसके अतिरिक्त, चंद्रमा का एक स्पष्ट हिलना-डुलना और हिलना-डुलना है, जिसे सामूहिक रूप से "लिब्रेशन" कहा जाता है। डगमगाना एक साधारण पेंडुलम के आगे-पीछे गति के समान है। यह पृथ्वी के चारों ओर अपनी अण्डाकार कक्षा के साथ चंद्रमा की असमान गति का प्रभाव है। जैसे-जैसे चंद्रमा परिधि के करीब पहुंचता है, कक्षीय गति बढ़ती जाती है, जो कि पृथ्वी के सबसे निकट का बिंदु है। यह कम हो जाता है क्योंकि यह उपभू से पीछे हटता है और उपभू के पास पहुंचता है, जो पृथ्वी से सबसे दूर बिंदु है। कक्षीय गति में इस क्रमिक वृद्धि और कमी के कारण चंद्रमा पूर्व-पश्चिम दिशा में - कम से कम हमारी आंखों के लिए -



विवार बिन्दु

इस प्रकार यह समय के खिलाफ एक दौड़ है, क्योंकि बाढ़ कई बार सोची गई तुलना में तेजी से आ रही है। इसे ध्यान में रखते हुए, नासा की सी लेवल चेंज टीम महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर रही है ताकि हम "बाढ़ से प्रभावित पर्यावरण और लोगों की आजीविका को नुकसान की योजना, सुरक्षा और रोकथाम कर सकें।" अंत में, हमारा चंद्रमा, अब तक आकाश में शानदार रूप से चमकने वाली रहस्यमयी वस्तु, "अपनी प्रकृति के प्रति वफादार रही है और इसकी शक्ति कभी कम नहीं होती है।

लगभग सात डिग्री आगे-पीछे डगमगाना है। डगमगाने की गति इस तथ्य से भी उत्पन्न होती है कि चंद्रमा का घूर्णन अक्ष उसके कक्षीय तल के लंबवत नहीं है; यह 1.5 डिग्री झुका हुआ है। इसके अलावा, चंद्रमा का कक्षीय तल पृथ्वी के कक्षीय तल की ओर लगभग पाँच डिग्री झुका हुआ है। इन झुकावों का शुद्ध प्रभाव उत्तर-दक्षिण दिशा में ऊपर-नीचे हिलना-डुलना या सिर हिलाना है। ग्लोबल वार्मिंग के साथ-साथ, लूनर वॉबलिंग या तो ज्वार की गंभीरता को बढ़ा सकता है या उनका प्रतिकार कर सकता है। 18.6 साल के डगमगाने वाले चक्र के आधे हिस्से के दौरान, उच्च ज्वार सामान्य से कम होते हैं और निम्न ज्वार सामान्य से अधिक होते हैं, इसलिए दोनों के बीच का अंतर काफी छोटा होता है। नतीजतन, यह कुछ हद तक बढ़ते समुद्रों के प्रभाव को नकार देता है। चक्र के दूसरे भाग के दौरान, उच्च ज्वार बढ़े हो जाते हैं और निम्न ज्वार कम हो जाते हैं, जिससे

उच्चतम और निम्नतम ज्वार के बीच की सीमा बढ़ जाती है। यह चक्र समुद्र के स्तर में वृद्धि पर प्रभाव को बढ़ाता है। चंद्रमा अब ज्वार-प्रवर्धन चक्र में है, लेकिन प्रभाव स्पष्ट होने के लिए जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र का स्तर अभी तक पर्याप्त नहीं बढ़ा है। हालाँकि, पश्चिमी यूरोप में हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ से कुछ दिन पहले, नासा और हवाई विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा सहकर्मी की समीक्षा की गई वैज्ञानिक पत्रिका नेचर क्लाइमेट चेंज में प्रकाशित एक नया अध्ययन चेतावनी देता है कि पृथ्वी 2030 के दशक के मध्य में रिकॉर्ड बाढ़ का अनुभव कर सकती है। जब चंद्रमा का अणु ज्वार-प्रवर्धन चक्र होने वाला है। तब तक, वैश्विक समुद्र का स्तर इतना बढ़ चुका होगा कि पहले से ही ऊँचे उच्च ज्वार को विशेष रूप से परेशान कर सकता है। यह अध्ययन बाढ़ के सभी ज्ञात समुद्री और खगोलीय कारणों को ध्यान में रखने वाला पहला



विजय गर्ग

किस देवता के आशीर्वाद के चलते
हनुमानजी सदैव जल से सुरक्षित रहते हैं?

इंद्र अपने प्रिय हाथी ऐरावत पर बैठकर चलने लगे तो हनुमानजी ऐरावत पर भी झपटे। इस पर इंद्र को क्रोध आ गया। उन्होंने बालक पर वज्र से हार किया तो हनुमानजी की तुड़ड़ी घायल हो गई। वह बेहोश होकर पर्वत शिखर पर गिर गए। एक बार की बात है माता अंजनी अपने बेटे को पालने में लिटा कर फल-फूल लेने के लिए वन में चली गईं। तभी बालक हनुमान ने पूर्व दिशा में सूर्य को उभरते देखा। उस वक़्त था! हनुमानजी तुरंत आकाश में उड़ चले। वायुदेव ने जब यह देखा तो वह शीतल पवन के रूप में उनके साथ चलने लगे ताकि बालक पर सूर्य का ताप नहीं पड़े। अमावस्या का दिन था। राहु सूर्य को ग्रसित करने के लिए बढ़ रहा था तो हनुमानजी ने उसे पकड़ लिया। राहु किसी तरह उनकी पकड़ से छूट कर भागा और देवराज इंद्र के पास पहुंचा। इंद्र अपने प्रिय हाथी ऐरावत पर बैठकर चलने लगे तो हनुमानजी ऐरावत पर भी झपटे। इस पर इंद्र को क्रोध आ गया। उन्होंने बालक पर वज्र से प्रहार किया तो हनुमानजी की तुड़ड़ी घायल हो गई। वह बेहोश होकर पर्वत शिखर पर गिर गए। यह सब देखकर वायुदेव को भी क्रोध आ गया। उन्होंने अपनी गति रोक दी और अपने पुत्र को लेकर एक गुफा में चले गए। अब वायु के नहीं

चलने से सब लोग घबरा गए। देवतागण सृष्टि के रचिता ब्रह्माजी के पास पहुंचे। सारी बात सुनकर ब्रह्माजी उस गुफा में पहुंचे और हनुमानजी को आशीर्वाद दिया तो उन्होंने आंखें खोल दीं। पवन देवता का भी क्रोध शांत हो गया। ब्रह्माजी ने कहा कि इस बालक को कभी भी ब्रह्म श्राप नहीं लगेगा। इसके बाद फल-फूल लेने के लिए वन में चली गईं। तभी भी इस बालक को वर दें। इस पर देवराज इंद्र बोले कि मेरे वज्र से इस बालक की हनु यानि अश्रमों में रहने वाले ऋषि-मुनि परेशान रहते हैं। इस पर ऋषि-मुनियों ने हनुमानजी को श्राप दिया कि जिस बल के कारण तुम इतने शरारती हो गए हो उसी को लंबे समय तक भूलें रहोगे जब कोई तुम्हारे बल के बारे में याद दिलाएगा तभी तुमको सब याद आएगा। इस श्राप के कारण हनुमानजी का स्वभाव

शांत और सौम्य हो गया। इसके बाद उनके माता-पिता ने उन्हें शिक्षा-दीक्षा के लिए सूर्यदेव के पास भेजने का निर्णय किया तो हनुमानजी बोले कि सूर्यदेव तो बहुत दूर हैं, मैं वहां पहुंचूंगा कैसे- उनकी माता अंजनी हनुमानजी को मिले श्राप के बारे में जानती थीं और जब उन्होंने उनको उनके बल के बारे में याद दिलाया तो उन्हें सब याद आ गया कि बचपन में वह किस प्रकार सूर्य की ओर लपके थे। वह आकाश में जा पहुंचे और सूर्यदेव के सारथि अरुण से मिले जाकि उन्हें सूर्यदेव के पास ले गए। सूर्यदेव ने उनके आने का कारण जाना तो बोले कि मैं तो हर समय अंतरिक्ष की यात्रा करता रहता हूँ मुझे एक पल का भी आराम नहीं है मैं तुम्हें किस प्रकार शिक्षा-दीक्षा दे पाऊंगा। इस पर हनुमानजी बोले कि मैं आपके रथ के वेग के साथ-साथ चलता रहूंगा क्योंकि मुझे आपसे ही शिक्षा प्राप्त करनी है। इस पर सूर्यदेव ने हां कर दी और पूरे मनोयोग से हनुमानजी को हर शास्त्र में निपुण बना दिया। शिक्षा खत्म होने के बाद जब हनुमानजी चलने लगे तो उन्होंने दक्षिणा के बारे में पूछा तो सूर्यदेव बोले कि मुझे कुछ नहीं चाहिए लेकिन यदि कपिराज बाली के छोटे भाई सुग्रीव की मदद का वचन मुझे दोगे तो मुझे अत्यंत प्रसन्नता होगी।



19 सितम्बर की महत्वपूर्ण घटनाएँ

1891	विलियम शेक्सपियर के प्रसिद्ध नाटक हम्मरचैट ऑफ वेनिसडू का मैनचेस्टर में पहली बार मंचन किया गया।
1893	स्वामी विवेकानंद ने शिकागो (अमेरिका) के विश्व धर्मसंसद में ऐतिहासिक भाषण दिया।
1893	न्यूजीलैंड में निर्वाचन अधिनियम 1893 के तहत सभी महिलाओं को मतदान का अधिकार दिया गया।
1955	अर्जेंटीना की सेना और नौसेना ने विद्रोह कर राष्ट्रपति जुआन पेरोन को पद से हटाया।
1957	अमेरिका ने नेवादा के रेगिस्तान में पहला भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
1962	भारत की उत्तरी सीमा पर चीन द्वारा आक्रमण।
1982	स्कॉट फाहनेन ऑनग्लाइड संदेश का इस्तेमाल करने वाले पहले व्यक्ति बने।
1988	इसाइल ने परीक्षण उपग्रह होरिजोन-आई का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया।
1996	ग्वाटेमाला और वामपंथी विद्रोहियों की सरकार ने लंबे समय से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए एक शांति संधि पर हस्ताक्षर किए।
2000	कर्नट मल्लेश्वरी ने ओलंपिक में भारोत्तोलन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।
2002	इसायल के सैनिकों ने पश्चिमी किनारे पर फिलिस्तीन नेता यासिर अराफात की घेराबंदी की।
2006	सरकार का तख्ता पलटने के बीच थाइलैंड में इमरजेंसी लागू।

राजस्थान का दूसरा सर्वाधिक लोकप्रिय चरी नृत्य

विवार बिन्दु

पन्नालाल मेघवाल
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार

यूनेस्को ने एक उद्घरण में उन्हें "अज्ञानता, अधविद्यास एवं रुढ़िवादिता का विरोधी, नए युग का पैगम्बर, दक्षिण पूर्व एशिया का सुकरात एवं समाज सुधार आन्दोलन का पितामह कहा था।

राजस्थान का दूसरा सर्वाधिक लोकप्रिय चरी नृत्य है। यह किशनगढ़ राजघराने की अति प्राचीन परंपरागत नृत्य शैली है। चरी नृत्य विशेष रूप से राजघराने में गणगौर पर किया जाता था। किशनगढ़ दरबार की बहन की मृत्यु हो जाने पर यह नृत्य बंद कर दिया गया। इसके बाद चरी नृत्य को किशनगढ़ की युवराणी गोवर्धन कुंवर ने प्रोत्साहित कर संरक्षण प्रदान किया। प्रारंभ में यह नृत्य गुजर जाति की महिलाओं द्वारा किया जाता था। इस नृत्य को सन् 1949 में फलकू बाई ने अपनी लगन एवं मेहनत से मंचीय संरचना देकर सामाजिक स्तर तक सार्वजनिक प्रदर्शन हेतु प्रारंभ किया। इस नृत्य को जीवित रखने में फलकू बाई और उनके साथियों का अद्वितीय योगदान है। मोहन सिंह गोड़, सुनीता रावत एवं अन्य दल इस नृत्य को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रहे हैं। प्रारंभ में चरी नृत्य में स्त्रियाँ लंबा घूंघट निकाल कर नृत्य किया करती थीं। यह नृत्य गणगौर के अलावा बच्चे के जन्म, विवाह, मांगलिक कार्य, होली, देवाली, दशहरा आदि पर भी किया जाता था। यह नृत्य धीरे-धीरे अन्य जातियों में भी किया जाने लगा। अब बदलते परिवेश में स्त्रियों के अलावा कॉलेज एवं स्कूल की बालिकाएँ भी



व्यावसायिक तौर पर नृत्य करने लगी हैं। भारतीय संस्कृति में सिर पर कलश लेकर नृत्य करने की परंपरा सर्वत्र प्रचलित व सर्वोपरि रही है। प्राचीन काल से जल कलश शगुन का प्रतीक माना जाता है। अग्नि हमारी संस्कृति में देवता स्वरूप पूजी जाती है। किसी अवसर पर महामानों की अगवावनी करने के लिए कलश में अग्नि प्रज्वलित करके नृत्य करते हुए अतिथि आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रहे हैं। प्रारंभ में चरी नृत्य में स्त्रियाँ लंबा घूंघट निकाल कर नृत्य किया करती थीं। यह नृत्य गणगौर के अलावा बच्चे के जन्म, विवाह, मांगलिक कार्य, होली, देवाली, दशहरा आदि पर भी किया जाता था। यह नृत्य धीरे-धीरे अन्य जातियों में भी किया जाने लगा। अब बदलते परिवेश में स्त्रियों के अलावा कॉलेज एवं स्कूल की बालिकाएँ भी

(बिनेले) डालकर सरसों के तेल में भिगोकर उसमें थोड़ा सा केरोसिन डालकर जला देते थे। स्त्रियाँ इसी सिर पर रखकर, लंबा घूंघट काढ़ कर हैं। प्राचीन काल से जल कलश शगुन का प्रतीक माना जाता है। अग्नि हमारी संस्कृति में देवता स्वरूप पूजी जाती है। किसी अवसर पर महामानों की अगवावनी करने के लिए कलश में अग्नि प्रज्वलित करके नृत्य करते हुए अतिथि आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रहे हैं। प्रारंभ में चरी नृत्य में स्त्रियाँ लंबा घूंघट निकाल कर नृत्य किया करती थीं। यह नृत्य गणगौर के अलावा बच्चे के जन्म, विवाह, मांगलिक कार्य, होली, देवाली, दशहरा आदि पर भी किया जाता था। यह नृत्य धीरे-धीरे अन्य जातियों में भी किया जाने लगा। अब बदलते परिवेश में स्त्रियों के अलावा कॉलेज एवं स्कूल की बालिकाएँ भी

काले रंग का लहंगा, कुर्ती तथा पीले रंग की ओढ़नी पहनती थीं। कमर में ऊन का बना कमरबंद बांधती थीं। परंतु बदलते परिवेश में मंचीय प्रदर्शन हेतु संगीत नाटक अकादमी ने पोशाक में परिवर्तन कर दिया। अब स्त्रियाँ एकदम पारंपरिक लाल रंग का काली छीट का घाघरा पहनती हैं, जिस पर पीली मगजी व कोर लगी होती है। पीले रंग की कुर्ती जिस पर लाल मगजी और ओढ़नी पीले रंग की होती है। जिसके चारों ओर लाल केसरिया बंधेज के रूप में होता है। जिसे प्रचलित बोली में पीलिया कहते हैं। इस पर किरण व कोर के बने फूल लगे रहते हैं, पहनती हैं। प्रारंभ में आंध्रप्रां में सिर पर चाँदी का बोर, कमर में कंधारों, गले में घूंघट हंसली, बजंटी, बांहों पर खांच चूड़ा एवं पैरों में कडले पहनती थीं। बाजू पर बाजूबंद अथवा अणत पहनती थीं। कलाइयों में चाँदी की फूल बंगड़ी का स्थान अब कृत्रिम आभूषणों ने ले लिया है। प्रारंभ में सौंदर्य प्रसाधन की कोई भी वस्तु काम में नहीं ली जाती थी, अब मंचीय प्रदर्शन में हल्के से मेकअप, लिफ्टिक आदि लगाई जाती है। किशनगढ़ राजघराने से संबंधित यह चरी नृत्य राजस्थान का सर्वाधिक लोकप्रिय नृत्य है।

अच्छा कोलेस्ट्रॉल बढ़ाना है तो खाएं ये 7 चीजें

एचडीएल यानी अच्छा कोलेस्ट्रॉल। जितना ज्यादा एचडीएल, उतना ही स्वस्थ दिल। इसका कम होना मोटापे व हृदय रोगों की आशंका को बढ़ा देता है। एचडीएल में सुधार करना है तो स्वस्थ जीवनशैली पर जोर देना जरूरी है।



पैदल चलें

पैदल चलना, जॉगिंग करना या साइकिल चलाना कोई भी ऐसा व्यायाम करें, जिससे आपकी हृदयगति तेज हो। एक दिन में व्यायाम के लिए 45 मिनट का समय निकालें। कैसा व्यायाम करते हैं, उसके साथ यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि कितनी देर व्यायाम करते हैं।

वजन रखें नियंत्रित

अगर वजन अधिक है तो वजन कम करने पर जोर दें। खासकर पेट के निचले हिस्से में जमा वसा को कम करने पर ध्यान दें। महिलाओं में 80 सेमी. और पुरुषों में 90 सेमी. से अधिक कमर का होना संकेत है कि वजन कम करना जरूरी है।

धूम्रपान न करें

धूम्रपान का सेवन शरीर में एलडीएल यानी हानिकारक कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। एचडीएल काफी कम है तो धूम्रपान छोड़ना जरूरी होगा। तंबाकू उत्पादों का सेवन न करना एचडीएल के स्तर में सुधार करता है।

अच्छी वसा पर ध्यान दें

ट्रांस फैटी एसिड को पूरी तरह ना कहें। हाइड्रोजेनेटेड वनस्पति तेल भी कम खाएं। बाजार में बिकने वाले बिस्कुट व बेकरी प्रोडक्ट, पीनट बटर और बाजार में बिकने वाली तली चीजों में इसका इस्तेमाल होता है।

इसकी जगह मोनोसैचुरेटेड फैट्स खाएं। इसमें सरसों का तेल, जैतून का तेल, मूंगफली का तेल, एवोकाडो व कैनोला ऑयल आदि को

शामिल किया जाता है। घर में खाना बनाते समय इन तेलों को कुछ समय पर बदलते रहें। हफ्ते में दो या तीन बार मछली खाना ओमेगा-3 फैट्स के स्तर को बढ़ा देता है। बादाम, अखरोट, पिस्ता के अलावा सीताफल, तरबूज, मेथी, अलसी आदि के बीज खाना भी अच्छा रहता है।

फाइबर खाएं

ओट्स व चोकर समेत अन्य साबुत अनाज, सेब, अंगूर, खट्टे फल, सब्जियां, बींस और मेथी दाने में भरपूर फाइबर होता है। अच्छे नतीजों के लिए एक दिन में दो से तीन चीजों को अवश्य शामिल करें।

सोयाबीन भी कर सकते हैं

शामिल

हालांकि इस संबंध में अभी भी बहस जारी है और शोध कार्य चल रहे हैं, लेकिन कुछ शोधों के अनुसार एक दिन में 25 ग्राम सोया प्रोटीन लेना एचडीएल के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है।

डेयरी प्रोडक्ट्स भी लें

कई बार वजन कम करने की प्रक्रिया में डॉक्टर पूरी तरह डेयरी उत्पादों को खाने के लिए मना करते हैं।

ऐसा दूध में उच्च वसा की मौजूदगी के कारण होता है।

पर शोध कहते हैं कि गाय के दूध में मौजूद कुछ तत्व हानिकारक कोलेस्ट्रॉल एलडीएल व ट्रांसलिसराइड्स को कम करने में मदद करते हैं। स्क्रिम्ड मिल्क और टॉड दूध लेना अच्छे विकल्प हैं।

खराब पोषण तो घेर लेगी बीमारियां



खून की कमी

एनीमियाग्रस्त व्यक्ति को खून की कमी होती है। यह तब होता है जब शरीर में रक्त के लाल कणों या कोशिकाओं के नष्ट होने की दर, उनके निर्माण की दर से अधिक होती है। चूँकि महिलाएं प्रतिमास अपनी माहवारी के माध्यम से खून गंवाती हैं, इसलिए किशोरावस्था तथा रजोनिवृत्ति के बीच की आयु की महिलाओं को एनीमिया सबसे अधिक होता है। संसार की गर्भवती महिलाओं में से 50% से भी अधिक एनीमिया से पीड़ित होती हैं क्योंकि उन्हें गर्भ में बढ़ते हुए शिशु के लिए भी रक्त निर्माण करना पड़ता है। एनीमिया एक गंभीर बीमारी है। इसके कारण महिला को अन्य बीमारियों होने की संभावना भी बढ़ जाती है। यह महिला की कार्यक्षमता व सीखने की क्षमता पर भी बुरा प्रभाव डालती है। एनीमियाग्रस्त महिलाओं की प्रसव के दौरान रक्त स्राव तथा मरने की संभावना काफी अधिक होती है।

लक्षण: त्वचा का सफ़ेद दिखाना, जीभ, नाखूनों व पलकों के अंदर सफ़ेदी (रक्तहीनता) का आभास होना। चक्कर आना विशेषकर लेटी व बैठी स्थिति में उठने पर। बेहोश होना। सांस फूलना। हृदय गति का तेज होना।

एनीमिया के कारण

एनीमिया का सबसे प्रमुख कारण हिया लौह तत्व युक्त खाद्य पदार्थों का पर्याप्त मात्रा में न खाना क्योंकि लाल रक्त कणों के निर्माण के लिये लौह तत्व की आवश्यकता होती है। इसके अन्य कारण हैं : मलेरिया, जिसमें लाल रक्त कण नष्ट हो जाते हैं। बार-बार गर्भधारण करना। किसी भी कारण रक्त का नुकसान, जैसे कि-माहवारी में अधिक मात्रा में खून जाना (कॉपर टी या अन्तः गर्भस्थ साधन (आइयूडी)) के कारण माहवारी भारी हो सकती है।

प्रसव: पेट के कीड़ों पर परजीवियों के कारण खुनी दस्त लगना। पेट के अल्सरों से खून जाना। किसी जख्म से अधिक खून जाना।

उपचार व रोकथाम

❖ यदि मलेरिया, परजीवी या कीड़ों के कारण एनीमिया है तो पहले इनका उपचार करें।

❖ अधिक लौह तत्व युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें और उनके साथ विटामिन 'ए' व 'सी'

समृद्ध खाद्य पदार्थ खावें क्योंकि ये शरीर में लौह तत्व के शोषण में वृद्धि करते हैं।

❖ खट्टे फल व टमाटर विटामिन 'सी' के अच्छे स्रोत हैं। गहरे पीले व गहरे हरे रंग की पत्तेदार सब्जियों में विटामिन 'ए' प्रचुर मात्रा में होता है।

❖ अगर कोई महिला पर्याप्त मात्रा में लौह तत्व युक्त खाद्य पदार्थ नहीं खा सकती है तो उसे लौह तत्व की गोलिएं खानी पड़ेंगी।

❖ काली चाय या कॉफी पीने तथा अण्डों की बाहरी परत (चोकर) खाने से परहेज करें। ये शरीर में लौह तत्व के शोषण को कम करती है।

❖ परजीवियों के संक्रमण से बचाव के लिए स्वच्छ पेय जल ही पीयें।

❖ स्वच्छ शौचालय का प्रयोग करें ताकि कीड़ों के अंडे (जो शौच में हो सकते हैं) भोजन पानी के स्रोतों में न फैलें। यदि आपके क्षेत्र में हुकवर्म काफी प्रचुर है तो नंगे पैर खेतों, जमीन पर न चलें।

❖ बच्चों के जन्म के बीच कम से कम 2 वर्ष का अंतर रखें। ऐसा करने से दो गर्भों के बीच आपका शरीर लौह तत्व का कुछ भंडारण कर पाएगा।

हैप्पी ओल्ड एज के स्मार्ट टिप्स

'जियो और जीने दो' के सिद्धांत को स्थापित रखने का प्रयास करें। जीवन के हर क्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण सतर्क रहें। आवश्यक चैकअप समय-समय पर कराते रहें। जहां तक संभव हो प्रौढ़ावस्था में ही अपनी वृद्धावस्था की तैयारी आरंभ कर दें। अपना बैंक-बैलेंस और आभूषणों की भविष्य में आने वाले समय के लिए सुरक्षित रखें। अपना सब कुछ बांटने और देने की भूल, भूलकर भी न करें। व्यस्त और सक्रिय रहने का प्रयास करें। इसके लिए नियमित रूप से समय के साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। संतुलित और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। आपका स्वभाव जितना अच्छा होगा, उतना ही आपका बुढ़ापा अच्छा कटेगा। इस बात का विशेष ध्यान रखें। युवा पीढ़ी से ही नहीं, बल्कि किसी अन्य से भी अधिक उम्मीदें कभी न रखें। नौकरी से अवकाश के उपरांत घर पर व्यर्थ न बैठें और न ही आत्मकेन्द्रित बनें, बल्कि समाज व सामाजिक कार्यों के प्रति अपना सक्रिय योगदान दें। आज की आधुनिक जीवनशैली में बहुत आवश्यक है आपका समय के साथ चलना, इसलिए समय के साथ-साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। दूसरे के काम आने का प्रयास करें, इससे आपको भी आत्मसंतुष्टि मिलेगी और दूसरे भी आपसे खुश रहेंगे। इस अवस्था में आप अपनी रुचि व इच्छा के वे सभी कार्य करें, जो आप अपने घर-परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए न कर सकें थे। नकारात्मक विचारों को मन में स्थान न दें। सकारात्मक सोच के साथ जीवन के हर सुख-दुःख को जीने का प्रयास करें। स्वयं में आत्मबल का विकास करें। हर विपरीत परिस्थिति में अपना संयम न खोयें, बल्कि धैर्य और शान्ति से बुरे समय के निकल जाने का इन्तजार करें।

रतौंधी रोग

यह आंखों की एक बीमारी है जो आम तौर पर दो से पांच वर्ष की आयु के बच्चों में सर्वाधिक होती है लेकिन वयस्कों में भी हो सकती है। यह विटामिन 'ए' की कमी के कारण होती है और गहरे पीले व गहरे हरे रंग की पत्तेदार सब्जियों, फलों व अन्य ऐसे खाद्य पदार्थों के पर्याप्त मात्रा में सेवन न करने के कारण होती है जिनमें विटामिन 'ए' प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। अगर लक्षणों की जल्दी पहचान करके समय पर इसका उपचार न कराया जाए तो अंधापन भी हो सकता है।

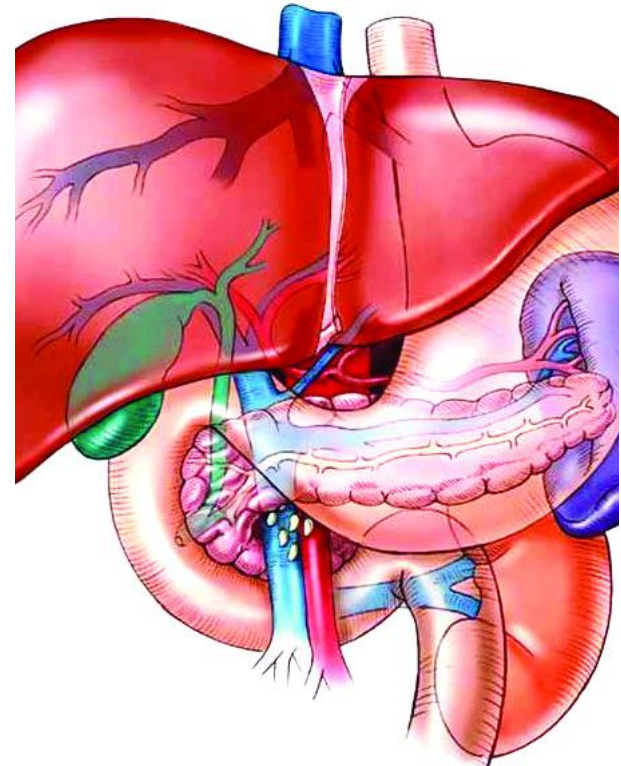
लक्षण: सबसे पहले, रतौंधी से पीड़ित महिला, कम रोशनी या हल्के अंधेरे में (जैसे कि शाम के समय), अन्य लोगों की तरह अच्छी तरह से नहीं देख पाती है। अगर उसे उपचार न मिले तो उसकी आंखों में सूखापन होने लगता है। आंखों के सफ़ेद हिस्से में सामान्य चमक कम होने लगती है और वहां सिलवटें पड़ने लगती हैं। आंखों में बिटाट स्पॉट्स बन जाते हैं। कॉर्निया (पुतली के ऊपर पारदर्शी भाग) में सूखापन आने लगता है और वहां सूक्ष्म गड्ढे बनने लगते हैं। तत्पश्चात कॉर्निया नरम होकर या तो जगह जगह से उभरने लगता है या वह फट भी सकता है। इस क्रिया में आंख में कोई दर्द नहीं होता है। संक्रमण, कॉर्निया में सफ़ेदी बनने या अन्य समस्या से अंधापन हो सकता है।

उपचार व रोकथाम

❖ भोजन में गहरे हरे रंग की पत्तेदार सब्जियां (जैसे कि पलक, मेथी आदि) तथा पीले या लाल फल व सब्जियां (जैसे की गाजर, पपीता, आम आदि) जरूर खावें।

❖ दूध, अंडा, जिगर, व गुदें भी विटामिन 'ए' के अच्छे स्रोत हैं। इनके खाने से भी विटामिन 'ए' की कमी की रोकथाम होती है।

❖ अगर आप किसी कारण से उपर बताये गए खाद्य पदार्थ खाने में असमर्थ हैं तो आपको विटामिन 'ए' के कैप्सूल लेने होंगे। जो महिला ठीक से भोजन खाती है, उसे सारे विटामिन प्राप्त हो जाते हैं। विटामिन की गोलिएं, इंजेक्शन, शर्बत या टॉनिक लेने से बेहतर है कि ठीक से भोजन खाया जाए। कभी-कभी पौष्टिक भोजन आसानी से उपलब्ध नहीं होता है। अगर कोई महिला पहले से ही कुपोषित है तो उसे यथासंभव मात्रा में भोजन खाना चाहिए और साथ में विटामिन की गोलिएं भी खानी चाहिए। विटामिन की गोलिएं, सुईयों की तुलना में, उतनी असरदार परंतु अधिक सस्ती व हानिकारक होती है। विटामिन की सुईयों कभी न लें। उन्हें खाने ही बेहतर है हो सके तो पौष्टिक भोजन के रूप में।



लिवर है फैटी तो ये जरूर खाएं ये चीजें

फैटी लिवर और आंतों से जुड़े रोगों में गहरा संबंध है। शरीर से विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने के लिए सही आहार पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। विटामिन बी और सी युक्त चीजें लिवर को खास फायदा पहुंचाती हैं। प्रोबायोटिक्स शरीर में जमा विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने में सहायक हैं। शहद, दही, योगर्ट अधिक खाएं। बाजार में प्रोबायोटिक युक्त बेड, दूध व दही व सिलिमेंट्स भी मिलते हैं। विटामिन बी और सी युक्त चीजें खाएं। ये दोनों तत्व रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं और शरीर पर टॉक्सिन्स के असर को कम करते हैं। विटामिन बी कॉम्प्लेक्स लिवर को ठीक रखता है। सुबह के नाश्ते में मोटापा बढ़ाने वाले तत्व कम और फाइबरयुक्त चीजें अधिक लें।

आहार में दालें, चोकरयुक्त आटे से बनी चीजें, अंकुरित अनाज व दलिया खाएं। दिन में दो-तीन बार डेंडेलैहन टी पिएं। यह शरीर से पित्त का असर कम करती है। कच्ची सब्जियों व फलों का सेवन लिवर को फायदा पहुंचाता है। खासतौर पर हरे, नारंगी, पीले, बैंगनी और लाल रंग के फल व सब्जियां खाएं। गाजर, मूली, चुकंदर लिवर के लिए अच्छे हैं। खूब पानी पिएं।

नींबू पानी, नारियल पानी, बेल शरबत व जूस पियें। ये पेय पदार्थ लिवर को ताकत देते हैं। लिवर में बनने वाले पित्त को काबू में रखने के लिए कड़वी पत्तियों मसलन सिंहपर्णी, चिकोरी आदि को सलाद के तौर पर खाएं। करेला भी फायदेमंद होता है। टूना, सरडाइन मछली के अलावा मूंगफली, सनफलावर, बादाम, तिल आदि का इस्तेमाल करें। सीताफल के बीज, फली वाली सब्जियां, मटर, दाल व बीन्स खाएं।

फायदेमंद हैं जड़ी-बूटियां और मसाले

नियमित 5-6 ग्राम सोंफ खाएं। हल्दी और भृंगराज एल्कोहल व अन्य विषैले पदार्थों के असर को कम करने में मदद करते हैं। काली मिर्च का सेवन एसिडिटी के विकार को कम करता है। एसिडिटी लिवर को नुकसान पहुंचाती है।

केन ने चार गोल करके तोड़ा रूनी का रिकॉर्ड, बायर्न ने जाग्रोब को 9-2 से रौंदा

एजेसी नई दिल्ली

चैपियंस लीग

दागा 33वां गोल

रियल मैड्रिड की जीत में चमके एमबाप्पे

49वें गोल से शीर्ष 10 में शामिल

म्युनिख। हेरी केन ने बायर्न म्युनिख की डिनामो जाग्रोब पर धमाकेदार जीत में चार गोल किए जिससे वह वायने रूनी का रिकॉर्ड तोड़कर चैपियंस लीग फुटबाल प्रतियोगिता में सर्वाधिक गोल करने वाले इंग्लिश खिलाड़ी बन गए। केन के शानदार प्रदर्शन से बायर्न ने डिनामो जाग्रोब को 9-2 से करारी शिकस्त दी। यह 2016 के बाद पहला अवसर है जबकि चैपियंस लीग के किसी एक मैच में इतने अधिक गोल दागे गए। इससे बायर्न के नए कोच विंसेंट कोम्पनी ने यूरोपीय प्रतियोगिता में अपने अभियान की शानदार शुरुआत भी की। बोरसिया डॉर्टमुंड की 2016 में लेगिया वारसां पर 8-4 की जीत के बाद यह चैपियंस लीग में सर्वाधिक गोल वाला मैच था।



केन ने 19वें, 53वें, 73वें और 78वें मिनट में गोल करके प्रतियोगिता में अपने कुल गोल की संख्या को 33 तक पहुंचा दिया जो इंग्लैंड के किसी खिलाड़ी का नया रिकॉर्ड है। उन्होंने रूनी के 30 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। केन ने तीन गोल पेनल्टी पर किए।

इंजानदारों से कहीं तो दूसरी पेनल्टी के बाद मुझे पता नहीं था की तीसरी पेनल्टी पर क्या करना है लेकिन मुझे खुशी है कि मैं इस पर भी गोल करने में सफल रहा।

- हेरी केन

मैड्रिड। स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबाप्पे ने रियल मैड्रिड की तरफ से चैपियंस लीग फुटबाल प्रतियोगिता में नए सफर की शुरुआत करते हुए शानदार गोल दागा जिससे उनकी टीम स्टेटार्ट को 3-1 से हराने में सफल रही। सेंटियागो बर्नबेउ स्टेडियम में खेले गए मैच के दूसरे हाफ के शुरू में ही एमबाप्पे को रॉड्रिगो के क्रॉस पर खुला नेट मिला और उन्होंने गोल करने में कोई गलती नहीं की।



एमबाप्पे के गोल ने नए चैपियंस लीग में 1-0 की बढ़त खिला दी। स्टेटार्ट ने 68वें मिनट में डेनिस उबायव के गोल से बराबरी कर ली। एंटोनियो उडोगर ने 83वें में मैड्रिड को फिर से आगे कर दिया और स्थानापन्न एड्रिक ने इंजरी टाइम में गोल करके गोजूरन वैपियन की जीत सुनिश्चित की। यह एमबाप्पे का चैपियंस लीग का 49वां गोल था, जिससे वह इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं।

एमबाप्पे ने मैच के बाद कहा, 'यह कड़ा मैच था जैसा कि चैपियंस लीग में होता है लेकिन धरतू मैदान में जीत के साथ शुरुआत करना महत्वपूर्ण था।'

- काइलियन एमबाप्पे

खबर संक्षेप



किसी भी आक्रमण का सामना करने में सक्षम

चेन्नई। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भारतीय बल्लेबाजों के अच्छे स्पिन आक्रमण के सामने हाल के संघर्ष को दरकिनार करते हुए मंगलवार को यहां कहा कि उनके बल्लेबाज दुनिया के किसी भी तरह के आक्रमण का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम हैं। गंभीर ने मैच की पूर्व संख्या पर कहा, 'हमारी बल्लेबाजी इकाई में इतनी गुणवत्ता है कि वह किसी भी तरह के आक्रमण का सामना कर सकती है। टेस्ट और वनडे में काफी अंतर होता है।'

पाक खिलाड़ियों को मिलेंगे 28 हजार रुपए

लाहौर। एशियाई चैपियंस ट्रॉफी में कांस्य पदक जीतने वाली पाकिस्तान हॉकी टीम के खिलाड़ियों और अधिकारियों को इनामी राशि के रूप में 100 अमेरिकी डॉलर (लगभग 28,000 पाकिस्तानी रुपए) मिलेंगे। पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने

बुधवार को यह घोषणा की जिसमें पीएचएफ के अध्यक्ष मोर तारिक बुगती द्वारा स्वीकृत विशेष नकद पुरस्कार की पुष्टि की गई। मेजबान चीन से सेमीफाइनल में पेनल्टी शूटआउट में हारने के बाद पाकिस्तान ने कांस्य पदक मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 5-2 से पराजित कर टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया।

परिणाम के बारे में नहीं सोच रहा : शंटो

चेन्नई। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शंटो नहीं चाहते हैं कि उनकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में जीत के खुमार में डूबी रहे। वह चाहते हैं कि इसके बजाय टीम गुरुवार से यहां शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की

श्रृंखला में भारत को मजबूत टीम का सामना करने पर ध्यान दे। शंटो ने कहा, 'मेरा मानना है कि हमने पाकिस्तान में बहुत अच्छी क्रिकेट खेली जिससे हमारा काफी मनोबल बढ़ा है लेकिन अब वह अतीत की बात है। हम परिणाम के बारे में नहीं सोच रहे हैं और केवल प्रक्रिया का अनुसरण करने की कोशिश कर रहे हैं।'

एकजुटता से भारतीय टीम बनी चैपियन

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों के बीच आपसी एकजुटता और एक दूसरे का साथ देने की अदम्य इच्छा से भारत को रिकॉर्ड पांचवां बार एशियाई चैपियंस ट्रॉफी जीतने में मदद मिली। भारत ने मंगलवार को हुलुनबुइर में फाइनल में जुगराज सिंह के फॉर्म क्षणों में किए गए गोल की मदद से चीन को 1-0 से हराया। हरमनप्रीत ने कहा, 'फाइनल वास्तव में तनावपूर्ण था। चीन की टीम ने पूरे मैच के दौरान हमारे सामने कड़ी चुनौती पेश की जिससे गोल करने के लिए मौका बनाना आसान नहीं था।'

क्रिकेट : बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला आज सुबह 9.30 बजे से

स्पिन गेंद बनी चुनौती, टेस्ट में भारत ने 10 साल में 40 मैच जीते और 4 हारे

एजेसी चेन्नई

भारत की नजरें गुरुवार से यहां बांग्लादेश के खिलाफ शुरू हो रही दो टेस्ट की श्रृंखला जीतकर धरतू सरजमीं पर अपने दबदबे को बरकरार रखने और विश्व टेस्ट चैपियनशिप तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत करने पर टिकी होगी। भारत के बल्लेबाजों को हालांकि स्पिन के खिलाफ अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। बांग्लादेश की चुनौती भी मजबूत होगी जो हाल में पाकिस्तान को दो टेस्ट की श्रृंखला में 2-0 से हराकर यहां आया है।

भारत 10 टेस्ट के सत्र की सकारात्मक शुरुआत करना चाहेगा जिससे कि डब्ल्यूटीसी फाइनल का दावा मजबूत कर सके। पिछले दशक में धरतू सरजमीं पर भारत की जीत-हार का रिकॉर्ड 40-4 रहा है जो बेजोड़ है लेकिन पिछले तीन साल में कुछ कमजोरियां उजागर हुई हैं, विशेषकर स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के मामले में। स्वदेश में 2015 से भारत के शानदार प्रदर्शन में कोहली की अहम भूमिका रही है और उन्होंने सभी गेंदबाजों के खिलाफ रन बटोरे हैं। लेकिन 2021 से स्पिन के खिलाफ उनके प्रदर्शन में गिरावट आई है। इस दौरान 15 टेस्ट में उनका औसत 30 का रहा है।



पंत 632 दिन बाद वापसी के लिए तैयार

स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत दो साल में अपना पहला टेस्ट खेलने के लिए तैयार हैं और बुधवार को नेट अभ्यास के दौरान उन्होंने अपने पुराने खेल की झलक पेश की। भयावह कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद क्रिकेट के मैदान पर शीर्ष स्तर पर वापसी करना साधारण बात नहीं है। इस बात पर विचार्य करना मुश्किल है कि पंत को पिछला टेस्ट मैच खेले हुए 632 दिन बीत चुके हैं। संयोग ने उन्होंने अपना पिछला टेस्ट भी बांग्लादेश के खिलाफ ही 2022 में खेला था। पंत अब इसी टीम के खिलाफ गुरुवार को एमए विंवरम स्टेडियम में वापसी करने को तैयार हैं।

रोहित के प्रदर्शन में गिरावट

कप्तान रोहित शर्मा स्पिन को ध्वस्त करने में सफल रहे हैं, विशेषकर 2017 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सलामी बल्लेबाज की जिम्मेदारी बित जाने के बाद से। उन्होंने स्पिनरों के खिलाफ 90 से ज्यादा की औसत से रन बनाए हैं। लेकिन 2021 से स्पिनरों के खिलाफ उनके प्रदर्शन में भी गिरावट आई है और वह 15 मैच में 44 की औसत से रन बना पाए हैं। पिछले तीन साल में लोकेश राहुल ने स्वदेश में पांच टेस्ट खेले और स्पिनरों के खिलाफ दस हाथ के इस बल्लेबाज का औसत सिर्फ 23.40 रहा है। ऋषभ पंत (पांच मैच में 70 की औसत से रन), शुभमन विलन (10 मैच में 56 की औसत से रन) और यशवीर जायसवाल (पांच मैच में 115 की औसत से रन) ने स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है।

दीप या दयाल में से होगा चयन

गेंदबाजी विभाग में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा का एकादश में जगह बनाना लक्ष्य तय है और किसी भी तरह की परिस्थितियों में यह एक मजबूत गेंदबाजी इकाई है। भारत को हालांकि यह फैसला करना होगा कि एमए विंवरम स्टेडियम की लाल मिट्टी की पिच पर आकाश दीप या यश दयाल में से किसी एक को तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में खिलाए या फिर धरतू टेस्ट में तीन स्पिनरों के साथ उतरने की प्रवृत्ति को बरकरार रखते हुए कुलदीप यादव को नोका दे।

पेनल्टी कॉर्नर का तोड़ा मिथक

26 में से 18 मैदानी गोल भारत का सुधरा प्रदर्शन



यह पेरिस ओलंपिक अभियान से काफी सुधरा प्रदर्शन था क्योंकि उसमें भारत ने कुल 15 गोल दागे थे जबकि सिर्फ तीन मैदानी गोल हुए थे। पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास लेने वाले करिश्माई गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने ज्यादा मैदानी गोल की जरूरत पर जोर दिया था।

भारत शीर्ष गोल स्कोरर

भारत ने छह टीमों की प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा 26 गोल किए। उसके बाद चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान (18), कोरिया (17), मलेशिया (17), जापान (15) और चीन (10) रहे। यह काफी सुधरा प्रदर्शन रहा और फुटबल को उम्मीद है कि आगामी टूर्नामेंटों में भी यह चलन जारी रहेगा।

युवा खिलाड़ियों ने दागे 11 मैदानी गोल

भारत के मुख्य कोच केम फुल्टन ने एशियाई चैपियंस ट्रॉफी के लिए ओपेनकृत युवा टीम उभारी थी जबकि मंदीप सिंह, सुरज सिंह और ललित कुमार उपाध्यक्ष जैसे अनुभवी फॉरवर्ड को आराम दिया। पेरिस ओलंपिक टीम में शामिल केवल दो स्ट्राइकर अग्रिमिक और सुखजीत सिंह को ही टीम में बरकरार रख गया था। फुल्टन ने पूर्व जुनियर टीम के कप्तान उत्तम सिंह, अरजित सिंह सिंह हुंजाल और सुरजोत सिंह जैसे युवा खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया।

पंजाब किंग्स के मुख्य कोच बने पॉटिंग, किया 4 साल का करार

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व महान बल्लेबाज और कप्तान रिची पॉटिंग को बुधवार को पंजाब किंग्स का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह इस आईपीएल टीम में अपने हमवतन ट्रेवर बेलिस की जगह लेंगे। पॉटिंग सात साल तक दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा रहने के बाद पंजाब किंग्स से जुड़े हैं। फ्रेंचाइजी के सीईओ सतीश मेनन ने कहा, 'हम रिची को अगले चार सत्र के लिए हमारी टीम का मार्गदर्शन करने और उसे तैयार करने के लिए अपने साथ जोड़कर बहुत खुश हैं। उनका अनुभव एक ऐसी टीम बनाने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण है जो मैदान पर सफलता हासिल करे।' आईपीएल के एक सत्र कहा कि टीम के बाकी के सहयोगी स्टाफ को लेकर फैसला पॉटिंग करेंगे। पॉटिंग के मार्गदर्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने प्रभावी प्रदर्शन किया था लेकिन आईपीएल खिताब नहीं जीत पाई। टीम इस दौरान 2020 में फाइनल में भी पहुंची। वह इससे पहले मुंबई इंडियन्स के भी कोच रह चुके हैं।



दलीप ट्रॉफी : अय्यर, सैमसन को मिलेगा एक और मौका

एजेसी अनंतपुर

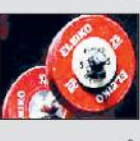
श्रेयस अय्यर, संजु सैमसन, रियान पराग और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों को गुरुवार से यहां शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतिम दौर के मैचों में लंबी अवधि के प्रारूप में खुद को साबित करने का एक और मौका मिलेगा। सत्र की शुरुआत में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में कोई नॉकआउट मैच नहीं होगा तथा सर्वाधिक अंक हासिल करने वाली टीम विजेता बनेगी। अभी दो मैचों में नौ अंकों के साथ भारत सी अंक तालिका में शीर्ष पर है। उसके बाद भारत बी (07), भारत ए (06) और भारत डी (00) का नंबर आता है। ऋतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली भारत सी टीम अंतिम दौर के मैच में मयंक अग्रवाल की



कप्तानी वाली भारत ए की टीम का सामना करेगी जबकि अभिमन्यु ईश्वरन के नेतृत्व वाली भारत बी की टीम भारत डी से भिड़ेंगी जिसके कप्तान श्रेयस अय्यर हैं।

भारत ने भारोतोलन राष्ट्रमंडल चैपियनशिप में जीते 11 स्वर्ण

सुवा। भारतीय भारोतोलन को शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां 2024 राष्ट्रमंडल युवा, जूनियर और सीनियर (पुरुष और महिला) भारोतोलन चैपियनशिप में अभी तक 11 स्वर्ण और तीन रजत पदक जीत लिए। बाहुलाल हेमचंद ने 49 किग्रा युवा पुरुष वर्ग में क्लीन एवं जर्क वर्ग में 114 किग्रा का वजन उठाकर राष्ट्रमंडल और राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। मीना संता ने 55 किग्रा युवा महिला वर्ग में स्नेच में 81 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 99 किग्रा के प्रयास से कुल 180 किग्रा का वजन उठाकर राष्ट्रमंडल और राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। बेदाबरट भारतीय ने भी 73 किग्रा युवा पुरुष वर्ग में कुल 200 किग्रा के वजन से स्नेच तथा क्लीन एवं जर्क में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।



राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेसी ने जारी की सूची

किरण डोप जांच में विफल, पूनिया का नाम गायब

एजेसी नई दिल्ली

एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता गोला फेंक एथलीट किरण बालियान को प्रतिबंधित पदार्थ की जांच में पॉजिटिव पाए जाने के बाद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेसी द्वारा अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया गया। विभिन्न खेलों के कई खिलाड़ियों के नाम डोपिंग करने वाले एथलीट की ताजा सूची में शामिल हैं। हैरानी की बात है कि ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया का नाम ताजा जांच में अस्थाई रूप से गायब है जबकि उनका नाम नाडा द्वारा हाल में जारी की गई पिछली सूची में शामिल था। नाडा ने 23 जून को पूनिया को दूसरी दफा निलंबित



कर दिया था। तीन हफ्ते पहले नाडा के अनुशासन रोधी डोपिंग पैनल ने इस आधार पर उनका निलंबन रद्द कर दिया था कि उन्हें राष्ट्रीय संस्था द्वारा आरोप का नोटिस नहीं दिया गया था। नाडा ने 23 जून

को टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान को निलंबित कर दिया क्योंकि उन्होंने 10 मार्च को सोनीपत में हुए नयन ट्रायल्स के दौरान अपने मूत्र के नमूने देने से इनकार कर दिया था। 2014 ईचियोन एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली तार गोला फेंक एथलीट मंजु बाला का नाम भी इस सूची में है। उन्हें स्ट्राइड डाई हाइड्रोक्लोरोमिथाइल टेस्टोस्टेरोन और लिगांडोल का पॉजिटिव पाया गया। इस साल फेडरेशन कप में रजत पदक जीतने वाली शालिनी चौधरी को भी मेटांडाईनोन का पॉजिटिव पाया गया। लंबी दूरी की एथलीट छवि यादव को भी एक एनाबोलिक एंजिोजेनिक स्टैरोइड ड्रोस्टानोलोन का पॉजिटिव पाया गया।

मनु, दीपाशी और परवेज निलंबित

भारत के शीर्ष ट्रैक एवं फील्ड एथलीट जैसे भाला फेंक डीपी मनु, 'क्वार्टर मिलर' दीपाशी और मध्यम गति के धावक परवेज खान को भी अस्थायी रूप से निलंबित किया गया है। कुश्ती में 2023 अंडर-20 विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता आरजू को स्टेनोजोलोस का पॉजिटिव पाया गया है। बैडमिंटन खिलाड़ी विरले ही इस सूची में शामिल होते हैं लेकिन युगल खिलाड़ी कृष्णा प्रसाद गारगा को एचसीजी का पॉजिटिव पाया गया जो 2022 थॉमस कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। वुशु खिलाड़ी टी मेनका देवी, मंजिंदर सिंह और गौतम शर्मा भी इस सूची में शामिल हैं। भूपेंद्र सिंह बयाडवाल (पेनकाक सिलाट), आशीष फोगाट (नौकायन) और रिबासन सिंह निमथोयुजाम (कैनो) को भी नाडा ने अस्थायी रूप से निलंबित किया है।

खबर संक्षेप

कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर दिया गया शून्य



नई दिल्ली। सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल के लिए अप्रत्याशित लाभ कर को घटाकर शून्य प्रति टन कर दिया है। कर की नयी दर 18 सितंबर यानी आज से प्रभावी हो गई। कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के रूप में लगाया जाता है। दो सप्ताह में औसत तेल की कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े इसे अधिसूचित किया जाता है।

जापान का व्यापार घाटा बढ़ा आयात पूर्वानुमान से कम



टोक्यो। जापान में अगस्त में लगातार दूसरे महीने व्यापार घाटा बढ़ा है। मंत्रालय ने कहा, जापान का व्यापार घाटा कुल 695 अरब येन (4.9 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा, जो एक वर्ष पूर्व की तुलना में 26 प्रतिशत कम है। निर्यात कुल 8400 अरब येन (59 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा, जो पिछले वर्ष के इसी महीने से 5.6 प्रतिशत अधिक है।

ऑनलाइन विज्ञापन विवाद गूगल के पक्ष में फैसला



लंदन। गूगल ने यूरोपीय संघ के 1.49 अरब यूरो के प्रतिस्पर्धा कानून के जुर्माने के खिलाफ कानूनी लड़ाई जीत ली है। मामला पांच साल पुराना है जो उसके ऑनलाइन विज्ञापन व्यवसाय से जुड़ा है। यूरोपीय संघ ने गूगल पर 'एंटी ट्रस्ट ली' के उल्लंघन का आरोप लगाया था। यूरोपीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा लगाए गए 2019 के जुर्माने को रद्द कर रहा है।

मनबा फाइनेंस का आईपीओ 23 सितंबर को खुलेगा



नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) मनबा फाइनेंस लिमिटेड ने 151 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) के लिए 114-120 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने बुधवार को घोषणा की कि उसका आईपीओ 23 सितंबर को खुलेगा और 25 सितंबर को बंद होगा।

सनशोर का कर्ज के लिए आरईसी से समझौता



नई दिल्ली। सनशोर एनर्जी ने हरित ऊर्जा परियोजनाओं को लेकर 10,000 करोड़ रुपये का कर्ज लेने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की आरईसी लि. के साथ समझौता किया है। गुजरात के गांधीनगर में आयोजित चौथे री-इनवेस्ट सम्मेलन और प्रदर्शनी के दौरान इस समझौते पर हस्ताक्षर किये गये। सम्मेलन का आयोजन नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने किया है।

अमेजन ने समीर को भारत का 'कंट्री मैनेजर' किया नियुक्त



नई दिल्ली। ई-कॉमर्स क्षेत्र की बड़ी कंपनी अमेजन ने समीर कुमार को भारत का 'कंट्री मैनेजर' नियुक्त करने की बुधवार को घोषणा की। भारत के मौजूदा 'कंट्री मैनेजर' मनीष तिवारी के इस्तीफे के बाद कंपनी ने यह फैसला लिया है। कंपनी की ओर से शीर्ष नेतृत्व में बदलाव की जानकारी देते हुए कहा गया, कुमार इस बदलाव पर मनीष तिवारी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। कुमार एक अक्टूबर से भारत की परिचालन संबंधी जिम्मेदारियां संभालेंगे। कुमार 1999 में अमेजन में शामिल हुए थे।

कर्ज के दबाव से किचनवेयर बनाने वाली कंपनी टपरवेयर हुई दिवालिया

एजेसी ►► नई दिल्ली

टपरवेयर को किचनवेयर आइटम बनाने के लिए जाना जाता है। कंपनी के लंच बॉक्स, पानी की बोतल और दूसरे आइटम काफी इस्तेमाल किए जाते हैं। साथ ही किचन का सामान रखने के लिए कंपनी के एयरटाइट प्लास्टिक कंटेनर लगभग हर घर में मिलते रहे हैं। लेकिन अब कंपनी प्रतिस्पर्धा की दौड़ में पिछड़ गई है। कंपनी पर 70 करोड़ डॉलर (करीब 5860 करोड़ रुपए) का कर्ज हो गया है। बिक्री में गिरावट और कर्ज चुकाने में नाकाम रहने पर इस कंपनी ने अपनी कुछ सहायक कंपनियों के साथ अमेरिका में दिवालियापन के लिए आवेदन किया है।

कंपनी लंच बॉक्स, पानी की बोतल आदि आयटम बनाती है

कच्चे माल की लागत ने बढ़ाई परेशानी

कोरोना के बाद प्लास्टिक रजिन जैसे कई जरूरी कच्चे माल की लागत में उछाल आ गया था। साथ ही कंपनी में काम करने वाले लोगों की मजदूरी भी बढ़ गई थी। इसके अलावा माल ढुलाई की लागत में भी वृद्धि हुई। इन चीजों के कंपनी के मार्जिन को काफी कम कर दिया और कंपनी को नुकसान होता चला गया। अगस्त में कंपनी ने कहा था कि उसे नकदी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कंपनी ने अपने निवेशकों को भी इसकी जानकारी दी थी कि कंपनी पर भारी कर्ज है।



अमेरिकी कोर्ट में किया आवेदन

कंपनी ने अमेरिकी कोर्ट में दिवालियापन के लिए आवेदन किया है। कंपनी ने पिछले साल ही इसके संकेत दे दिए थे कि वह फंड नही जुटा पाई तो दिवालिया हो सकती है। कंपनी पर 70 करोड़ डॉलर (करीब 5860 करोड़ रुपए) का कर्ज है। रिपोर्ट के मुताबिक दिवालियापन की तैयारी कर्जदाताओं के साथ लंबी बातचीत के बाद शुरू हुई।

बिक्री पर पड़ा बुरा असर

टपरवेयर अमेरिका की कंपनी है। इसकी शुरुआत 1946 में हुई थी। किचन में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक के रंग-बिरंगे बर्तनों लिए टपरवेयर एक लोकप्रिय ब्रांड रहा है। भारत समेत दुनियाभर के कई देशों में इसके प्रोडक्ट मिलते हैं। पिछले कुछ वर्षों में इस कंपनी को बाजार में उपभोक्ताओं के बीच अपनी लोकप्रियता बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

वित्तीय स्थिति काफी खराब

प्रोडक्ट की बिक्री में आई कमी के कारण कंपनी को अब काफी घाटा हो रहा है। कंपनी के अध्यक्ष और सीईओ लॉरी एन गोल्डमैन ने कहा कि पिछले कई वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति काफी खराब रही है। इससे कंपनी की वित्तीय स्थिति पर बुरा असर पड़ा है।

चेयरमैन शेटी ने कहा, फेड ब्याज दर घटा सकता है आरबीआई की इस साल नीतिगत दर में कटौती की संभावना नहीं : एसबीआई

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी एस शेटी ने कहा है कि खाद्य मुद्रास्फीति के मोर्चे पर अनिश्चितता को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस साल प्रमुख नीतिगत दर में संभवतः कटौती नहीं करेगा। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व बुधवार को पेश होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा में संभवतः ब्याज दर घटा सकता है। अगर ऐसा होता है तो यह चार साल से अधिक समय में पहली बार होगा जब वह नीतिगत दर में कटौती करेगा। ऐसा माना जा रहा है कि अन्य देशों के केंद्रीय बैंक भी इसका अनुसरण करने के लिए प्रेरित होंगे।



हाल ही में शेटी ने संभाली है कमान

हाल ही में एसबीआई की कमान संभालने वाले शेटी ने बातचीत में कहा, "कई केंद्रीय बैंक नीतिगत दर के मोर्चे पर स्वतंत्र निर्णय ले रहे हैं। हालांकि, फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में कटौती का असर अभी पर पड़ेगा, लेकिन आरबीआई ब्याज दर में कटौती पर निर्णय लेने से पहले खाद्य मुद्रास्फीति को ध्यान में रखेगा।

पूँजी की आवश्यकता पर ध्यान देगी बैंक

शेटी ने कहा, "अगर इन सहायक कंपनियों को (विकास) पूँजी की आवश्यकता है, तो हम विश्ववत् रूप से गौर करेंगे। शेटी ने कहा कि इस समय किसी भी बड़ी अनुबंधों कंपनी को अपने परिचालन को बढ़ाने के लिए मूल कंपनी से पूँजी की आवश्यकता नहीं है।

कटौती के लिए चौथी तिमाही का करना होगा इंतजार

शेटी ने कहा, "यही हमारा विचार है। हमारा यह भी मानना है कि इस साल नीतिगत दर में संभवतः कटौती नहीं होगी। जबतक खाद्य मुद्रास्फीति नीचे नहीं आती, तबतक नीतिगत दर में कटौती मुश्किल है और इसके लिए शायद ठंडे चौथी (जनवरी-मार्च 2025) तिमाही के लिए इंतजार करना पड़ सकता है।

बैंक की हिस्सेदारी मामूली घटी

बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 में एसबीआई जनरल इन्श्योरेंस कंपनी लि. में 489.67 करोड़ रुपये की अतिरिक्त पूँजी डाली थी। कंपनी ने कर्मचारियों को कर्मचारी शेयर स्वामित्व योजना (ईसाप) के तहत शेयर भी आवंटित किया है। इसके परिणामस्वरूप बैंक की हिस्सेदारी 69.95 प्रतिशत से मामूली घटकर 69.11 प्रतिशत हो गई है।

एसपीसी की बैठक 7 से 9 अक्टूबर को होगी

शक्तिशाली दस की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति (एसपीसी) सात से नौ अक्टूबर को होने वाली अपनी बैठक में नीतिगत दर पर निर्णय करेगी। एसपीसी मौद्रिक नीति पर गौर करते समय खुदरा मुद्रास्फीति पर ध्यान दे रही है।

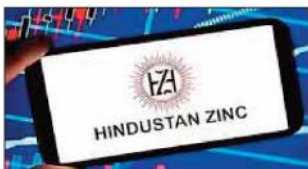
लगातार नौवीं बार नहीं बढ़ना गया रेपो दर

यह लगातार नौवीं बार था, जब रेपो दर में बढ़ाव नहीं किया गया। रिजर्व बैंक फरवरी 2023 से मानक रेपो दर में कोई बढ़ाव नहीं किया है। शेटी ने कहा कि फिलहाल किसी भी सहायक कंपनी में हिस्सेदारी के विनिवेश के बारे में कोई विचार नहीं किया गया है।

हिंदुस्तान जिंक के विभाजन पर नए सिरे से बातचीत जारी: सीईओ

एजेसी ►► उदयपुर (राजस्थान)

वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) ने कंपनी को पहले प्रस्तावित तीन भागों के बजाय दो खंडों में विभाजित करने के प्रस्ताव पर सरकार के साथ नए सिरे से चर्चा की है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरुण मिश्रा ने बुधवार को कहा कि अलग-अलग इकाई बनाने की कंपनी की पुनर्गठन योजना को रोक दिया गया था, क्योंकि सरकार ने बोली का विरोध किया था। सरकार



के पास खनन क्षेत्र की कंपनी में 29.54 प्रतिशत हिस्सेदारी है। मिश्रा ने साक्षात्कार में कहा कि हिंदुस्तान जिंक के विभाजन के संबंध में सरकार के साथ चर्चा बहुत अच्छी रही। सीईओ ने कहा, "तो अब वे (सरकार) इसपर (चर्चा पर) वापस आएं।"

जटिल मुद्दों पर चर्चा जारी : मिश्रा ने कहा, "अगर हम अलग भी हो जाए, तो भी ऐसी कोई खदान नहीं है जो केवल वॉदी उत्पन्न करती हो। फिर ऐसी कोई खदान नहीं है जो केवल जस्ता तथा सिंसा पैदा करती हो। इसलिए दोनों के बीच बातचीत होगी। इसलिए ये सभी जटिल मुद्दे हैं जिन्हें पर चर्चा जारी है।"

मुनाफावसूली से शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आया

एजेसी ►► मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को गिरावट रही और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में मुनाफावसूली से बीएसई सेंसेक्स 131 अंक टूटकर रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आ गया। निवेशकों ने अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय से पहले मुनाफावसूली को तरजीह दी। कारोबार के दौरान दोनों मानक सूचकांक... सेंसेक्स और निफ्टी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गये थे। हालांकि, दोपहर कारोबार में निवेशकों के उच्चस्तर पर मुनाफावसूली से इसमें गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 131.43 अंक टूटकर 82,948.23 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 246.72 अंक चढ़कर नये शिखर 83,326.38 अंक पर पहुंच गया था। निफ्टी भी 41 अंक गिरावट के साथ 25,377.55 अंक पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिन्वोरिटीज के खुदरा उप-प्रमुख देवर्षा वकील ने कहा, "निफ्टी पूर्वाहन कारोबार के



दौरान एक समय नई ऊंचाई 25,482 अंक पर पहुंच गया था। लेकिन दोपहर के कारोबार में इसका लाभ जाता रहा और यह 41 अंक की गिरावट के साथ 25,377 अंक पर बंद हुआ। यह लगातार चौथे सत्र में दिशा प्राप्त करने में विफल रहा और सीमित दायरे में रहा।" वकील ने कहा, "अमेरिकी फेडरल रिजर्व की फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की दो दिवसीय बैठक आज संपन्न होगी। फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पावेल की अगुवाई वाली एफओएमसी नीतिगत दर में संभवतः एक चौथाई प्रतिशत की कटौती कर सकती है। जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट जापान में रहे।

टीसीएस में गिरावट दर्ज

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचसीएल टेकनॉलॉजीज में तीन-तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। इसके अलावा इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, जैन फार्मा और टाटा मोटर्स भी प्रमुख रूप से नुकसान में रही।

बजाज फाइनेंस में तेजी

दूसरी तरफ बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, नेस्ले, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के शेयर लाभ में रहे।

पश्चिम एशिया में भारत के रत्न-आभूषणों के लिए काफी अवसर

एजेसी ►► दुबई

रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में भारतीय आभूषण निर्यातकों के लिए उभरते अवसर दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि सऊदी अरब और कुवैत जैसे देशों में जड़े हुए सोने के आभूषणों की मांग बढ़ रही है। जीजेईपीसी ने दावा किया कि हाल के आंकड़ों से एक सकारात्मक रुझान का पता चला है, जो भारत के रत्न और आभूषणों के पारंपरिक गढ़ जैसे अमेरिका और चीन के इतर क्षेत्रों में पर्याप्त वृद्धि को दर्शाता है। यहां जारी बयान में जीजेईपीसी ने कहा कि पश्चिम एशिया में उभरते हुए अवसर हैं,

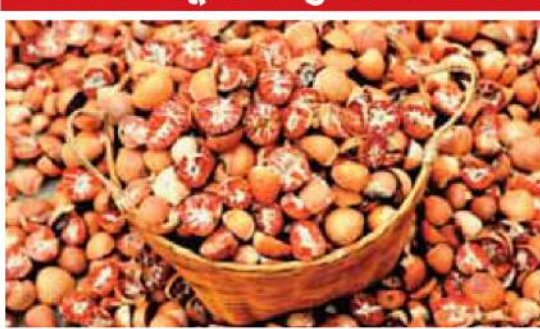


जीजेईपीसी ने कहा, भारत के निर्यातकों के लिए अवसर दिखाई दे रहे

सऊदी अरब और कुवैत जैसे देशों में मांग बढ़ी

सऊदी अरब (26.05 प्रतिशत से अधिक) और कुवैत (87.99 प्रतिशत से अधिक) जैसे देशों में जड़े हुए सोने के आभूषणों की मांग बढ़ रही है।

भारत ने मूटान से सुपारी आयात की अनुमति दी



नई दिल्ली। भारत ने मूटान से हतिस्सार (ओडिशा) और दरंगा (असम) के भूमि सीमा शुल्क स्टेशनों (एलसीएस) के माध्यम से भी वस्कृतम आयात मूल्य की शर्त के बिना ताजा (हरी) सुपारी के आयात की अनुमति दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में यह जानकारी दी। सितंबर, 2022 में सरकार ने हर साल मूटान से वस्कृतम

आयात मूल्य (एमआईपी) शर्त के बिना 17,000 टन हरी सुपारी के आयात की अनुमति दी थी। वर्ष 2017 में, सरकार ने घरेलू किसानों को सुपारी के लिए 251 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से एमआईपी लगाया। वर्ष 2018 में, 251 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक कीमत होने पर किसी भी रूप में सुपारी के आयात की अनुमति दी नहीं थी।

रिलायंस पावर ने 3,872 करोड़ रुपए की देनदारियां की पूरी

एजेसी ►► नई दिल्ली

रिलायंस पावर लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि उसने अपनी अनुबंधी इकाई विदर्भ इंस्ट्रुटीज पावर के लिए गारंटर से जुड़ी 3,872 करोड़ रुपये की देनदारियों को पूरा कर लिया है। रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को इसकी जानकारी दी।

कंपनी ने कहा, "विदर्भ इंस्ट्रुटीज पावर लिमिटेड की ओर से गारंटर के तौर पर सभी दायित्वों का पूरी तरह से निपटारा हो गया है। कंपनी ने कहा कि उसने कारपोरेट गारंटी, सहमति और वीआईपीएल के बकाया ऋण के संबंध में कुल 3,872.04 करोड़ रुपये की देनदारियों एवं दावों को निपटारा है। फर्म ने कहा कि उसने संपत्ति पुनर्गठन कंपनी सीएफएम के साथ सभी विवादों का निपटारा कर लिया है। रिलायंस पावर की तरफ से दी गई जमानत को छुड़ाने के लिए वीआईपीएल के 100 प्रतिशत शेयर सीएफएम के पास गिरवी रख दिए गए हैं। अपनी अनुबंधी इकाइयों-रोजा पावर सप्लायर्स कंपनी एवं वीआईपीएल और सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर बकाया कर्ज के निपटारा संबंधी एक समझौते को औपचारिक रूप दिया है।



रिलायंस पावर की शुद्ध संपत्ति 11,155 करोड़ रुपए थी : एक्सिस ट्रस्टी सर्विसेज लिमिटेड के पक्ष में वीआईपीएल की शेष 92.60 प्रतिशत हिस्सेदारी विरवी रखी गई है। बकाया निपटारा के बाद 30 जून, 2024 तक एकीकृत आधार पर रिलायंस पावर की शुद्ध संपत्ति 11,155 करोड़ रुपये थी।

वित्त मंत्री सीतारमण ने शुरू की योजना

एनपीएस वात्सल्य में खोल सकेंगे बच्चों के लिए खाते

एजेसी ►► नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को 'एनपीएस वात्सल्य' योजना की शुरुआत की जिसमें माता-पिता को पेंशन खाते में निवेश कर अपने बच्चों के भविष्य के लिए बचत करने की सुविधा दी गई है।



माता-पिता को बच्चों के भविष्य के लिए बचत करने की दी सुविधा

पेंशन 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर मिलेगी

एनपीएस वात्सल्य योजना के तहत खोले गए खाते में पेंशन केवल 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर ही आएगी। सीतारमण ने कहा कि एनपीएस ने शेयर, कॉरपोरेट ऋण और सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश पर क्रमशः 14 प्रतिशत, 9.1 प्रतिशत और 8.8 प्रतिशत रिटर्न हासिल किया है।



माता-पिता को बच्चों के भविष्य के लिए बचत करने की दी सुविधा

एनपीएस वात्सल्य योजना के तहत खोले गए खाते में पेंशन केवल 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर ही आएगी। सीतारमण ने कहा कि एनपीएस ने शेयर, कॉरपोरेट ऋण और सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश पर क्रमशः 14 प्रतिशत, 9.1 प्रतिशत और 8.8 प्रतिशत रिटर्न हासिल किया है।

बजट में की गई थी घोषणा जुलाई में वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट पेश करते समय एनपीएस वात्सल्य योजना लाने की घोषणा की थी। आईसीआईआई बैंक और एक्सिस बैंक सहित कई श्रेणियों में 'एनपीएस वात्सल्य' की पेशकश के लिए पेंशन को नियामक पीएफआरडीए के साथ हाथ मिलाया है।

सरकार पेंशन योजना में करेगी सुधार

आईसीआईआई बैंक ने एनपीएस वात्सल्य के तहत कुछ बच्चों के खाते पंजीकृत करके मुंबई में अपने सेवा केंद्र में योजना की शुरुआत की। इस अवसर पर वित्तीय सेवा सचिव नागराज महीराला ने कहा कि सरकार वाहकों की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए पेंशन योजना में सुधार करेगी।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कही बड़ी बात

रिवोल्ट मोटर्स की इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल रिवोल्ट आरवी वन लॉन्च की

एजेसी नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की मौजूदगी में मंगलवार को रिवोल्ट मोटर्स की इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल रिवोल्ट आरवी वन लॉन्च हुई। गडकरी ने इस मौके पर कहा कि भारत से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के निर्यात की काफी संभावनाएं हैं। खासकर उन बाजारों में जहां भारतीय मैनुफैक्चरर्स पहले से ही पारंपरिक इंजन वाले बाइक बेच रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में विनिर्मित मोटरसाइकिलों में से 50 प्रतिशत का निर्यात किया जाता है। बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प और टीबीएस जैसी प्रमुख कंपनियों की अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बड़ी उपस्थिति है। मंत्री ने रिवोल्ट मोटर्स को पड़ोसी देशों के साथ-साथ अफ्रीका और लातिन अमेरिका में भी बाजार तलाशने को कहा।

खबर संक्षेप

टुकड़े-टुकड़े हो जाएगी स्टालिन की डीएमके

चेन्नई। बुधवार को एआईएडीएमके के प्रवक्ता कोवई सत्यन ने दावा किया कि उदयनिधि स्टालिन को उपमुख्यमंत्री के तौर पर प्रमोट करना तमिलनाडु में डीएमके के अंत का संकेत है। उन्होंने दावा किया कि अगर उदयनिधि को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाया जाता है तो डीएमके में असंतोष बढ़ेगा जिससे विधानसभा चुनावों से पहले विभाजन हो सकता है।

कैलाशानंद अखिलेश के बयान पर खफा

लखनऊ। महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरी ने अखिलेश यादव के द्वारा हाल ही में दिए गए 'मठाधीश और माफिया में ज्यदा फर्क नहीं होता' वाले बयान की लेकर नाराजगी जताई है। बताना होगा कि इस मामले में संत समाज और भाजपा से जुड़े कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर चुके हैं। कुछ दिनों पहले लखनऊ में अखिलेश यादव का पुतला भी फूँका गया था।

एक करोड़ में किया था दो हाथी दांत का सौदा

बरेली। यूपी-उत्तराखंड की एसटीएफ व वन विभाग की संयुक्त टीम ने कार में दो हाथी दांत ले जा रहे तीन तस्करो को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। बरामद दांत करीब सवा तीन फुट लंबे हैं। सीओ आरबी चमोली के नेतृत्व में उत्तराखंड एसटीएफ व वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो दिल्ली की संयुक्त टीम ने बरेली की तरफ आ रहे कार सवार तस्करो को पकड़ा।

चोर आया प्रणाम किया और चुरा लिया कलश

कानपुर। भगवान के घर में चोरी की एक ही हफ्ते में दो घटनाएं सामने आई हैं। कानपुर के शिव मंदिर में चोरी का ताजा मामला सामने आया है। यहां पर चोर मंदिर में घुसा, भगवान को प्रणाम किया। उन्हें जल चढ़ाया और फिर उनके तांबे का कलश चुरा कर ले गया। चोर ने घंटा भी चुराने की कोशिश की थी लेकिन इसमें वह सफल नहीं हो पाया था।

बिहार में नौकरी घोटाळा 200 लड़के बंधक

पूर्णिया। यहां नेटवर्किंग और नौकरी देने के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा का मामला सामने आया है। सदर थाना पुलिस ने मंगलवार को देर रात रामबाग पिंक सिटी के कई लॉज में छापा मारी कर 200 से ज्यादा लड़कों को मुक्त कराया है। लड़कों का कहना है कि वे लोग बंगाल के हैं। जहांगीर आशीष और कैसर यहां नौकरी देने के नाम पर बुलाया था।

युवा, किसान और बुजुर्गों के लिए अहम घोषणाएं की

एजेसी नई दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपना घोषणापत्र (गारंटी पत्र) जारी कर दिया है। जिसमें कई गारंटियों की घोषणा की गई है। इन घोषणाओं में महिला, युवा, किसान और बुजुर्गों के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा कांग्रेस की महत्वपूर्ण गारंटियों की घोषणा पहले ही कर चुके हैं। जिसमें 500 रुपए में सिलेंडर, 2 लाख युवाओं को नौकरी प्रदान करना, बुजुर्गों को बुढ़ापा पेंशन 6 हजार रुपए देना शामिल है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को पार्टी की सात गारंटियां गिनाईं। अगर हमारी सरकार बनती है तो गरीबों को दो कम्परे का मकान दिया जाएगा और हर महीने महिलाओं को 2 हजार रुपए दिए जाएंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा

द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevniotoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)

भारत से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के निर्यात की काफी संभावनाएं

भारत में विनिर्मित बाइकों का 50 फीसदी का निर्यात

शुरुआती कीमत 84,990 रुपए

इसकी शुरुआती कीमत 84,990 रुपए और 99,990 रुपये है। रिवोल्ट मोटर्स की प्रवक्ता रतन इंडिया एंटरप्राइजेज की सह संस्थापक और अध्यक्ष अंजलि रतन ने बाद में एक बातचीत में कहा कि रिवोल्ट मोटर्स अगले 5 साल में हर साल एक उत्पाद पेश करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी अगले एक से डेढ़ साल में बिक्री नेटवर्क की संख्या बढ़ाकर 500 करेगी, जो अभी 125 है। रतन ने कहा कि इस वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी के डीलरशिप की संख्या बढ़कर 250 तक पहुंचने की उम्मीद है।



रिवोल्ट मोटर्स की प्रमोटर अंजलि बोलीं

प्रमोटर कंपनी रतन इंडिया एंटरप्राइजेज की को-फाउंडर और चेयरपर्सन अंजलि रतन ने कहा कि कंपनी ने शुरुआत में श्रीलंका को निर्यात की योजना बनाई है। कंपनी नेपाल, अफ्रीका और लातिन अमेरिका देशों में भी निर्यात के अवसर तलाश रही है। रिवोल्ट मोटर्स ने मंगलवार को अपनी कन्स्यूटर बाइक आरवी. के दो वर्जन पेश किए।

हर साल एक उत्पाद पेश करने की योजना बना रही

बाइक की विशेषताएं

रिवोल्ट आरवी वन को दो वेरिएंट में पेश किया गया है। ये आरवी वन और आरवी वन प्लस है। इन्हें चार कलर ऑप्शन में पेश किया गया है। आरवी वन की एक्स-शोरूम कीमत 84,990 रुपए है। वहीं, आरवी वन प्लस की एक्स-शोरूम कीमत 99,990 रुपए है। रिवोल्ट आरवी वन का मुकाबला ओला रोडस्टर एक्स से होगा। ओला इलेक्ट्रिक ने हाल ही में रोडस्टर एक्स लॉन्च की है, जिसकी कीमत 74,999 रुपए से शुरू होती है। इस बाइक में 6-इंच डिजिटल एलसीडी डिस्प्ले दी गई है। साथ ही स्टार्टलिश एलसीडी हेडलाइट्स और टेल लाइट्स हैं। दोनों वेरिएंट में बिल्ट-इन वाजर स्टोरेज है। डुअल डिस्क ब्रेक दिये गये हैं। बाइक में कई स्पॉड मोड हैं, जिसमें से एक रिवर्स मोड दिया गया है। इससे पार्किंग में आसानी होगी। यह बाइक चौड़े टायर के साथ आ रही है।

वन नेशन, वन इलेक्शन' पर सियासी दलों ने दी मिलीजुली प्रतिक्रिया

अधिकतर पार्टियों ने किया समर्थन कांग्रेस समेत कई ने विरोध जताया

लोकसभा चुनाव में भाजपा ने किया था लागू करने का वादा

एजेसी नई दिल्ली

मोदी सरकार कैबिनेट ने बुधवार को 'वन नेशन-वन इलेक्शन' यानी 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके बाद देश में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' कराने का रास्ता आसान हो गया है। मोदी सरकार इसे शीतकालीन सत्र में मंजूरी के लिए संसद में संबोधित बिल पेश कर सकती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 'वन नेशन वन इलेक्शन' को लागू करने का वादा किया था। आम चुनाव में भाजपा को बहुमत तो नहीं मिला इसके बावजूद भाजपा अपने एनडीए सहयोगियों के साथ मिलकर 'वन नेशन-वन इलेक्शन' का वादा पूरा करने में अब अहम कदम उठा चुकी है। इससे संबंधित बिल को लागू करने के लिए संविधान संशोधन जरूरी होगा और इसके लिए राज्यों की सहमति भी जरूरी होगी। इसके लिए अधिकतर दलों ने इसका समर्थन किया है, तो कुछ ने विरोध भी जताया है और सवाल खड़े किए हैं।

यह व्यावहारिक नहीं: खरगे

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब चुनाव नजदीक आते हैं, तो असली मुद्दे ने ध्यान केंद्रित करने के लिए भाजपा ऐसी बातें करती है। एक देश एक चुनाव पर एक उच्च स्तरीय समिति ने बुधवार को एक रिपोर्ट केंद्रीय मंत्रिमंडल को सौंपी है।

यह राजनीतिक मंच नहीं

एक वरिष्ठ वकील ने ममता के इस्तीफे के लिए अदालत से विदेश की मांग करते हुए एक अंतरिम आवेदन दाखिल करने की कोशिश की। सीजेआई ने नाराजगी जताते हुए कहा कि एक सेकंड, आप किसके लिए पेश हो रहे हैं? यह राजनीतिक मंच नहीं है। आप बार के सदस्य हैं। आप जो कह रहे हैं, वह कानूनी अनुशासन के नियमों के अनुरूप होना चाहिए। हम नेताओं के बारे में सुनने के लिए नहीं हैं।

यह हमारे अधिकार क्षेत्र का हिस्सा नहीं

सीजेआई ने समझाया कि कोर्ट का ध्यान कोलकाता में प्रदर्शनकारी जुलियर डॉक्टरों की समस्याओं पर है। सीएन के इस्तीफे का निर्देश हमारा अधिकार क्षेत्र नहीं।

कैबिनेट ने लगाई मुहर

किसानों को 24,475 करोड़ की सब्सिडी मिलेगी

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में हुए फैसलों का ऐलान किया। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की कैबिनेट ने किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए एक के बाद एक योजनाओं को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा, "आज एनपीके उर्वरकों के लिए 24,475 करोड़ की सब्सिडी आवंटित करने को मंजूरी दी गई है। पूरी दुनिया में आपूर्ति भूखला और वैश्विक कीमतों में जो व्यवधान चल रहा है उससे किसानों को अछूता रखने के लिए सरकार ने बड़े निर्णय लिए हैं। खासकर मध्य पूर्व और रूस-यूक्रेन में संघर्ष से पैदा हुई चुनौतियों से किसानों को अप्रभावित रखने के लिए कैबिनेट ने पोषक तत्व आधारित सब्सिडी आवंटित करने का यह निर्णय लिया है।

इन पार्टियों ने किया समर्थन

एनडीए में शामिल दो राष्ट्रीय पार्टियां भाजपा और कॉंग्रेस संगमा की अगुआई वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की सहयोगी दलों का समर्थन मिला है। इन समर्थकों में एआईएडीएमके, ऑल इंडियन स्टूडेंट्स यूनियन (एजेएसयू), अपना दल (सोनेलाल), असम गण परिषद, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (नागालैंड), सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, मिजो नेशनल फ्रंट और युनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल ऑफ असम शामिल हैं। विपक्षी महागठबंधन छोड़कर एनडीए में शामिल हुई जनता दल (युनाइटेड) भी इस पहल का समर्थन किया है। एनडीए के अन्य प्रमुख सदस्य जैसे बीजू जनता दल, जो एनडीए के साथ गठबंधन करने वाली एकनाथ शिंदे की शिवसेना का एक गुट है, और अकाली दल, वन नेशन-वन इलेक्शन प्रस्ताव को अपना समर्थन दिया है।

यह संघवाद को नष्ट करेगा: ओवैसी

एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने एक राष्ट्र एक चुनाव का विरोध किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि यह संघवाद को नष्ट करेगा और लोकतंत्र से समझौता करेगा। ओवैसी ने कहा कि मोदी और शाह को छोड़कर किसी के लिए भी एक से ज्यादा बार चुनाव कोई समस्या नहीं है। लालगांधी और अन्य-समर्थक पर चुनाव कराने से लोकतांत्रिक जवाबदेही में सुधार होता है।

सपा का समर्थन, सीएम की बैठक बुलाएं: मल्होत्रा

मोदी सरकार के 'वन नेशन वन इलेक्शन' के फैसले को समर्थन देते हुए सीएम की बैठक बुलाएं। अखिलेश यादव की पार्टी ने यह संकेत दिया है। सपा प्रवक्ता रविदास मल्होत्रा ने कहा कि हम लोग चाहते हैं देश में लोकतंत्र और विधानसभा चुनाव साथ में हों। मल्होत्रा ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन को लागू करने से पहले सभी विपक्षी पार्टियों और सभी मुख्यमंत्रियों को बैठक होनी चाहिए।

ममता सरकार को डॉक्टरों का अल्टीमेटम

मांगें पूरी होने तक करेंगे विरोध, सीएस दखल दें

कोलकाता के आरजी कर हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप और हत्या के मामले में इंसाफ की मांग कर रहे जूनियर डॉक्टरों ने अपनी 5अहम मांगों के पूरा होने तक हड़ताल खत्म करने से मना कर दिया है। डॉक्टरों ने राज्य के मुख्य सचिव को चिट्ठी लिखकर बैठक की गुजारिश की है ताकि स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार लाया जा सके और अस्पतालों में खतरनाक माहौल से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा हो सके। डॉक्टरों ने लिखा, मीटिंग में हमें यकीन दिलाया गया था कि आपकी अगुवाई में एक खास टास्क फोर्स बनाई जाएगी जो इन मुद्दों को सुलझाएगी और इससे जुड़ी बातों पर हमसे चर्चा की जाएगी। हम आप और टास्क फोर्स के बाकी मंत्रियों के साथ आज ही बातचीत करना चाहते हैं।

2 दिन तक संजय के कपड़े जब्त नहीं किए

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या के मामले में सीबीआई की जांच जारी है। बुधवार को सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि कोलकाता की तलाफ पुलिस ने आरजी कर अस्पताल में बलात्कार-हत्या के आरोपी संजय रॉय के कपड़े दो दिनों तक जब्त नहीं किए थे जबकि अपराध में उसकी भूमिका है यह बात 10 अगस्त को ही स्पष्ट हो गई थी।

लैंड फॉर जॉब में लालू समेत 8 को समन

एजेसी नई दिल्ली

बिहार के पूर्व सीएम लालू यादव की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गईं। जमीन के बदले नौकरी (लैंड फॉर जॉब) में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनके बेटे और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव समेत 8 लोगों के खिलाफ राऊड एवैन्स्यु कोर्ट ने समन जारी किया है। यादव और तेजप्रताप को बातीर आरोपी कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया गया है।

दिल्ली में मकान ढहने से 3 लोगों की मौत

एजेसी नई दिल्ली

दिल्ली के करोलबाग के बाणा नगर इलाके में बुधवार को एक 3मंजिला मकान गिर गया। इस हादसे में करीब 7 लोग लोग मलबे के नीचे दब गए। सूचना मिलने पर मौके पर फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ की टीमों ने राहत-बचाव कार्य किया। अब तक मलबे से 3शवों को निकाला गया है। अन्य की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा कि हादसे के वक्त मकान के अंदर 20 से अधिक लोग मौजूद थे। पहले तेज धमाका हुआ और देखते ही देखते पूरा मकान ध्वस्त हो गया। आसपास के अन्य मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए।

राजस्थान हाईकोर्ट बोला

करशेन कैसर की तरह फैल रहा इसे रोकने के लिए युवा आगे आए

एजेसी नयपुर

भारत में करशेन कैसर की तरह फैल रहा है। इसलिए युवाओं को भ्रष्टाचार से लड़ने आगे आना चाहिए। यह टिप्पणी राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश अशोक कुमार जैन ने एक फौजदारी याचिका पर बहस सुनते हुए की। याचिकाकर्ता डॉक्टर टीएन शर्मा के अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी ने बताया कि सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग में हजारों करोड़ का भ्रष्टाचार है। हमने दस्तावेजों सहित कई शिकायतों की हैं लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है। आरोपी कुलदीप राजनेट प्रोजेक्ट का

युवा, किसान और बुजुर्गों के लिए अहम घोषणाएं की

एजेसी नई दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपना घोषणापत्र (गारंटी पत्र) जारी कर दिया है। जिसमें कई गारंटियों की घोषणा की गई है। इन घोषणाओं में महिला, युवा, किसान और बुजुर्गों के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा कांग्रेस की महत्वपूर्ण गारंटियों की घोषणा पहले ही कर चुके हैं। जिसमें 500 रुपए में सिलेंडर, 2 लाख युवाओं को नौकरी प्रदान करना, बुजुर्गों को बुढ़ापा पेंशन 6 हजार रुपए देना शामिल है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को पार्टी की सात गारंटियां गिनाईं। अगर हमारी सरकार बनती है तो गरीबों को दो कम्परे का मकान दिया जाएगा और हर महीने महिलाओं को 2 हजार रुपए दिए जाएंगे।

दिल्ली में गारंटी कार्ड जारी किया

दिल्ली में आईसीसीसी मुख्यालय में हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के घोषणापत्र के हिस्से के रूप में गारंटी कार्ड जारी किया गया। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव केशू जी पटेल, हरियाणा के पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा, हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भानू भी मौजूद रहे।

कांग्रेस ने किए ये वादे

- जाति जनगणना कराई जाएगी। क्रीमीलेयर की सीमा 10 लाख रुपए तक बढ़ाई जाएगी।
- 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली और 25 लाख रुपए तक मुफ्त विकित्सा उपचार दिया जाएगा।
- महिलाओं को हर महीने 2 हजार रुपए दिए जाएंगे। 500 रुपए में सिलेंडर प्रदान किया जाएगा।
- 2 लाख रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। नशा मुक्त हरियाणा पहल की जाएगी।
- वृद्धावस्था, दिव्यांगता और विधवा पेंशन 6000 रुपए होगी। पुरानों पेंशन योजना की बहाली होगी।

ममता सरकार को डॉक्टरों का अल्टीमेटम

मांगें पूरी होने तक करेंगे विरोध, सीएस दखल दें

कोलकाता के आरजी कर हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप और हत्या के मामले में इंसाफ की मांग कर रहे जूनियर डॉक्टरों ने अपनी 5अहम मांगों के पूरा होने तक हड़ताल खत्म करने से मना कर दिया है। डॉक्टरों ने राज्य के मुख्य सचिव को चिट्ठी लिखकर बैठक की गुजारिश की है ताकि स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार लाया जा सके और अस्पतालों में खतरनाक माहौल से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा हो सके। डॉक्टरों ने लिखा, मीटिंग में हमें यकीन दिलाया गया था कि आपकी अगुवाई में एक खास टास्क फोर्स बनाई जाएगी जो इन मुद्दों को सुलझाएगी और इससे जुड़ी बातों पर हमसे चर्चा की जाएगी। हम आप और टास्क फोर्स के बाकी मंत्रियों के साथ आज ही बातचीत करना चाहते हैं।

2 दिन तक संजय के कपड़े जब्त नहीं किए

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या के मामले में सीबीआई की जांच जारी है। बुधवार को सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि कोलकाता की तलाफ पुलिस ने आरजी कर अस्पताल में बलात्कार-हत्या के आरोपी संजय रॉय के कपड़े दो दिनों तक जब्त नहीं किए थे जबकि अपराध में उसकी भूमिका है यह बात 10 अगस्त को ही स्पष्ट हो गई थी।

राजस्थान हाईकोर्ट बोला

करशेन कैसर की तरह फैल रहा इसे रोकने के लिए युवा आगे आए

एजेसी नयपुर

भारत में करशेन कैसर की तरह फैल रहा है। इसलिए युवाओं को भ्रष्टाचार से लड़ने आगे आना चाहिए। यह टिप्पणी राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश अशोक कुमार जैन ने एक फौजदारी याचिका पर बहस सुनते हुए की। याचिकाकर्ता डॉक्टर टीएन शर्मा के अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी ने बताया कि सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग में हजारों करोड़ का भ्रष्टाचार है। हमने दस्तावेजों सहित कई शिकायतों की हैं लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है। आरोपी कुलदीप राजनेट प्रोजेक्ट का

युवा, किसान और बुजुर्गों के लिए अहम घोषणाएं की

एजेसी नई दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपना घोषणापत्र (गारंटी पत्र) जारी कर दिया है। जिसमें कई गारंटियों की घोषणा की गई है। इन घोषणाओं में महिला, युवा, किसान और बुजुर्गों के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा कांग्रेस की महत्वपूर्ण गारंटियों की घोषणा पहले ही कर चुके हैं। जिसमें 500 रुपए में सिलेंडर, 2 लाख युवाओं को नौकरी प्रदान करना, बुजुर्गों को बुढ़ापा पेंशन 6 हजार रुपए देना शामिल है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को पार्टी की सात गारंटियां गिनाईं। अगर हमारी सरकार बनती है तो गरीबों को दो कम्परे का मकान दिया जाएगा और हर महीने महिलाओं को 2 हजार रुपए दिए जाएंगे।

दिल्ली में गारंटी कार्ड जारी किया

दिल्ली में आईसीसीसी मुख्यालय में हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के घोषणापत्र के हिस्से के रूप में गारंटी कार्ड जारी किया गया। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव केशू जी पटेल, हरियाणा के पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा, हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भानू भी मौजूद रहे।

कांग्रेस ने किए ये वादे

- जाति जनगणना कराई जाएगी। क्रीमीलेयर की सीमा 10 लाख रुपए तक बढ़ाई जाएगी।
- 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली और 25 लाख रुपए तक मुफ्त विकित्सा उपचार दिया जाएगा।
- महिलाओं को हर महीने 2 हजार रुपए दिए जाएंगे। 500 रुपए में सिलेंडर प्रदान किया जाएगा।
- 2 लाख रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। नशा मुक्त हरियाणा पहल की जाएगी।
- वृद्धावस्था, दिव्यांगता और विधवा पेंशन 6000 रुपए होगी। पुरानों पेंशन योजना की बहाली होगी।

ममता सरकार को डॉक्टरों का अल्टीमेटम

मांगें पूरी होने तक करेंगे विरोध, सीएस दखल दें

कोलकाता के आरजी कर हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप और हत्या के मामले में इंसाफ की मांग कर रहे जूनियर डॉक्टरों ने अपनी 5अहम मांगों के पूरा होने तक हड़ताल खत्म करने से मना कर दिया है। डॉक्टरों ने राज्य के मुख्य सचिव को चिट्ठी लिखकर बैठक की गुजारिश की है ताकि स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार लाया जा सके और अस्पतालों में खतरनाक माहौल से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा हो सके। डॉक्टरों ने लिखा, मीटिंग में हमें यकीन दिलाया गया था कि आपकी अगुवाई में एक खास टास्क फोर्स बनाई जाएगी जो इन मुद्दों को सुलझाएगी और इससे जुड़ी बातों पर हमसे चर्चा की जाएगी। हम आप और टास्क फोर्स के बाकी मंत्रियों के साथ आज ही बातचीत करना चाहते हैं।

2 दिन तक संजय के कपड़े जब्त नहीं किए

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या के मामले में सीबीआई की जांच जारी है। बुधवार को सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि कोलकाता की तलाफ पुलिस ने आरजी कर अस्पताल में बलात्कार-हत्या के आरोपी संजय रॉय के कपड़े दो दिनों तक जब्त नहीं किए थे जबकि अपराध में उसकी भूमिका है यह बात 10 अगस्त को ही स्पष्ट हो गई थी।

राजस्थान हाईकोर्ट बोला

करशेन कैसर की तरह फैल रहा इसे रोकने के लिए युवा आगे आए

एजेसी नयपुर

भारत में करशेन कैसर की तरह फैल रहा है। इसलिए युवाओं को भ्रष्टाचार से लड़ने आगे आना चाहिए। यह टिप्पणी राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश अशोक कुमार जैन ने एक फौजदारी याचिका पर बहस सुनते हुए की। याचिकाकर्ता डॉक्टर टीएन शर्मा के अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी ने बताया कि सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग में हजारों करोड़ का भ्रष्टाचार है। हमने दस्तावेजों सहित कई शिकायतों की हैं लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है। आरोपी कुलदीप राजनेट प्रोजेक्ट का

युवा, किसान और बुजुर्गों के लिए अहम घोषणाएं की

एजेसी नई दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपना घोषणापत्र (गारंटी पत्र) जारी कर दिया है। जिसमें कई गारंटियों की घोषणा की गई है। इन घोषणाओं में महिला, युवा, किसान और बुजुर्गों के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा कांग्रेस की महत्वपूर्ण गारंटियों की घोषणा पहले ही कर चुके हैं। जिसमें 500 रुपए में सिलेंडर, 2 लाख युवाओं को नौकरी प्रदान करना, बुजुर्गों को बुढ़ापा पेंशन 6 हजार रुपए देना शामिल है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को पार्टी की सात गारंटियां गिनाईं। अगर हमारी सरकार बनती है तो गरीबों को दो कम्परे का मकान दिया जाएगा और हर महीने महिलाओं को 2 हजार रुपए दिए जाएंगे।

दिल्ली में गारंटी कार्ड जारी किया

दिल्ली में आईसीसीसी मुख्यालय में हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के घोषणापत्र के हिस्से के रूप में गारंटी कार्ड जारी किया गया। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव केशू जी पटेल, हरियाणा के पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा, हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भानू भी मौजूद रहे।

कांग्रेस ने किए ये वादे

- जाति जनगणना कराई जाएगी। क्रीमीलेयर की सीमा 10 लाख रुपए तक बढ़ाई जाएगी।
- 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली और 25 लाख रुपए तक मुफ्त विकित्सा उपचार दिया जाएगा।
- महिलाओं को हर महीने 2 हजार रुपए दिए जाएंगे। 500 रुपए में सिलेंडर प्रदान किया जाएगा।
- 2 लाख रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। नशा मुक्त हरियाणा पहल की जाएगी।
- वृद्धावस्था, दिव्यांगता और विधवा पेंशन 6000 रुपए होगी। पुरानों पेंशन योजना की बहाली होगी।

ममता सरकार को डॉक्टरों का अल्टीमेटम

मांगें पूरी होने तक करेंगे विरोध, सीएस दखल दें

कोलकाता के आरजी कर हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप और हत्या के मामले में इंसाफ की मांग कर रहे जूनियर डॉक्टरों ने अपनी 5अहम मांगों के पूरा होने तक हड़ताल खत्म करने से मना कर दिया है। डॉक्टरों ने राज्य के मुख्य सचिव को चिट्ठी लिखकर बैठक की गुजारिश की है ताकि स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार लाया जा सके और अस्पतालों में खतरनाक माहौल से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा हो सके। डॉक्टरों ने लिखा, मीटिंग में हमें यकीन दिलाया गया था कि आपकी अगुवाई में एक खास टास्क फोर्स बनाई जाएगी जो इन मुद्दों को सुलझाएगी और इससे जुड़ी बातों पर हमसे चर्चा की जाएगी। हम आप और टास्क फोर्स के बाकी मंत्रियों के साथ आज ही बातचीत करना चाहते हैं।

2 दिन तक संजय के कपड़े जब्त नहीं किए

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉले